तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026
वर्ष 36 अंक 34 | कोरबा, मंगलवार , दिनांक 05 नवंबर 2024 डाक 06 नवंबर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने वायनाड जिले के सुल्तान बाथरी में मनरेगा महिला श्रमिकों से मुलाकात की

देश-विदेश
प्रधानमंत्री का मेरे घर आना कोई गलत नहीं, राम मंदिर फैसले वाले बयान पर क्या बोले सीजेआई

फीचर पेज
शादी से पहले मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये नुस्खे, त्वचा भी निखरेगी

आर्टिकल 370 के प्रस्ताव पर फंस गई कांग्रेस विधानसभा में खुलकर नहीं कर पा रही सपोर्ट और विरोध

जम्मू, 05 नवंबर [एजेंसी]।

विधानसभा में अनुच्छेद 370 के प्रस्ताव पर कांग्रेस पशोपेश की स्थिति में है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर से जब अनुच्छेद 370 हटाया गया था तब कांग्रेस की ओर से राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने इसका पुरजोर विरोध किया था। अब आजाद कांग्रेस में नहीं हैं और पार्टी सीधे तौर पर इसका विरोध नहीं करती पर यह जरूर कहती है कि अनुच्छेद 370 को गैर लोकतांत्रिक तरीके से हटाया गया। कांग्रेस इसकी वापसी की बात नहीं करती।

वह इस मुद्दे से दूरी ही बनाए रखने का प्रयास करती है।विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में 370 के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा। चुनाव प्रचार में भी राहुल गांधी या अन्य नेताओं ने इसका जिक्र नहीं किया। वह सिर्फ जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे की बहाली की बात करती है। भाजपा कई बार कांग्रेस पर अनुच्छेद 370 पर रवैया स्पष्ट करने की मांग कर चुकी है। कांग्रेस के कश्मीर के नेता अपनी जनसभाओं में अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से हुए नुकसान का जिक्र करते हैं, लेकिन सरकार आने पर वापसी पर नहीं बोला जाता है। जिस तरह से सोमवार को विधानसभा में पीडीपी विधायक ने 370 बहाल करने का प्रस्ताव लाया जिस पर भाजपा ने हंगामा किया। अभी प्रस्ताव स्पीकर के पास है। सबसे अजीब स्थिति कांग्रेस के लिए उस समय विधानसभा में होगी जब नेकां या कोई अन्य प्रस्ताव लाएगा और चर्चा, वोटिंग होगी। इस हालात से निपटने के लिए जम्मू कश्मीर कांग्रेस नेतृत्व हाईकमान से दिशा निर्देश लेगा।

केंद्र सरकार ने विकिपीडिया को नोटिस भेजा पक्षपातपूर्ण व गलत जानकारी देने का मामला

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विकिपीडिया को नोटिस भेजा है। सरकार ने विकिपीडिया को पत्र लिखकर वेबसाइट पर पक्षपात जानकारी देने और अशुद्धियों की कई शिकायतों के बारे में बताया है। सूत्रों के अनुसार सरकार ने संपादकीय नियंत्रण रखने वाले एक छोटे समूह की ओर इशारा किया है और पूछा है कि विकिपीडिया को मध्यस्थ के बजाय प्रकाशक क्यों नहीं माना जाना चाहिए।

'हर प्राइवेट प्रॉपर्टी को सरकार नहीं ले सकती', सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

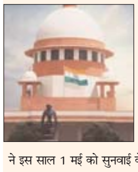

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने आज मंगलवार को अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों। सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले से कहा कि सभी निजी संपत्तियां संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधनों का हिस्सा नहीं बन सकती हैं और राज्य के अधिकारियों की तरफ से सार्वजनिक भलाई के लिए इसे अपने कब्जे में नहीं लिया जा सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8-1 के बहुमत के साथ इस मुद्दे पर फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, राज्य उन संसाधनों पर दावा कर सकता है जो सार्वजनिक हित के लिए हैं और समुदाय के पास हैं। उनका कहना है कि हर निजी संपत्ति को सार्वजनिक संपत्ति नहीं कहा जा सकता। संविधान पीठ ने इस साल 1 मई को सुनवाई के बाद निजी संपत्ति मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

डीजीपी की नियुक्ति को लेकर अखिलेश ने सरकार को घेरा, भाजपा ने किया पलटवार

लखनऊ 05 नवंबर। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के ताजा फैसले पर सवाल उठाए हैं। उत्तर प्रदेश में सोमवार को कैबिनेट बैठक में पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को मंजूरी मिली थी। अब यूपी में डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट ने इस बाबत पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी प्रदान कर दी। इस पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, सुना है, किसी बड़े अधिकारी को स्थाई पद देने और उसका कार्यकाल दो वर्ष तक बढ़ाने की व्यवस्था बनाई जा रही है। अब सवाल यह है कि व्यवस्था बनाने वाले खुद दो वर्ष रहेंगे या नहीं। इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है। दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0। इस पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को रह रह करके अपने कार्यकाल की याद सताती है कि कैसे उनके कार्यकाल में मुख्यमंत्री की कुर्सी के चार पाये हुआ करते थे। एक पाया रामगोपाल यादव खींचा करते थे। दूसरा पाया शिवपाल यादव खींचा करते थे। तीसरा पाया मुलायम सिंह यादव और चौथा पाया आजम खान खींचा करते थे।

सुप्रीम कोर्ट से मदरसों को बड़ी राहत
मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बड़ा फैसला सुनाते हुए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को संवैधानिक करार दिया है। कोर्ट ने इसी के साथ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को भी खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द किया गया था। चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के फैसले के बाद राज्य के मदरसों को मान्यता मिलने और उनके संचालन में स्थायित्व आने की संभावना है। अदालत ने माना कि एक्ट के प्रावधान संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हैं और ये धार्मिक अल्पसंख्यकों के शैक्षिक अधिकारों की सुरक्षा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार मदरसा शिक्षा को लेकर नियम बना सकती है। किसी छात्र को धार्मिक शिक्षा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि मदरसा बोर्ड फाजिल, कामिल जैसी उच्च डिग्री नहीं दे सकता, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है।

मुडा घोटाले में लोकायुक्त के सामने पेश होंगे सीएम सिद्धारमैया, बोले- कल सुबह 10 बजे जा रहा हूं

बंगलूरू, 05 नवंबर [एजेंसी]।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुडा घोटाले के मामले में लोकायुक्त के सामने पेश होने की पुष्टि कर दी है। लोकायुक्त ने घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सीएम सिद्धारमैया को समन जारी किया था। मंगलवार को सीएम हुबली धारवाड़ इलाके में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वे लोकायुक्त के सामने पेश होंगे तो इस पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मैं कल सुबह 10 बजे जा रहा हूं। लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धारमैया को समन जारी कर 6 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इससे पहले सीएम की पत्नी पार्वती से इस मामले में 25 अक्तूबर को पूछताछ हो चुकी है। साथ ही पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवाराजू से भी पूछताछ हुई है। देवाराजू से ही

मल्लिकास्वामी ने जमीन खरीदकर अपनी बहन पार्वती को उपहार स्वरूप दी थी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया है और कहा है कि विपक्ष उनसे डरा हुआ है, जिसकी वजह से उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। मुडा घोटाले के मामले में ईडी ने भी मुडा के पूर्व आयुक्त डीबी नातेश से पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद पूर्व आयुक्त को हिरासत में लिया गया था। ईडी इस मामले में धन शोधन के कोण से जांच कर रही है

महिलाओं के जगने का समय आ गया..., करंजे के खिलाफ टिप्पणी करने पर सुनील राउत पर बरसीं शाइना एनसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) विधायक सुनील राउत प्रतिद्वंद्वी शिवसेना नेता सुवर्णा करंजे के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करके फंस गए हैं। इस मामले पर लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है। अब मुंबा देवी सीट से शिवसेना उम्मीदवार शाइना एनसी ने राज्यसभा सांसद संजय राउत के भाई पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं का सम्मान करते हैं। वही दूसरी तरफ हमारे पास महा विनाश अघाड़ी है, जो हमें वस्तुओं के रूप में बुलाता है। सुनील राउत और करंजे मुंबई की विक्रोली विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं।

वेंटीलेटर पर प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा, बेटे से पीएम मोदी ने फोन पर की बात

नई दिल्ली 05 नवंबर। प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा की हालत नाजुक बनी हुई है। बेटे अंशुमन सिन्हा ने सोशल प्लेटफॉर्म पर लाइव आ जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मां वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। मंगलवार सुबह उनके बेटे ने शारदा सिन्हा का हेल्थ अपडेट दिया। साथ ही बताया कि उनसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात की और मां के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोन आया था। उन्होंने मां का हालचाल जाना। पीएम ने एम्स के डायरेक्टर से भी बात की। पीएम मोदी ने कहा कि छठी मैया कृपा करेंगी, संयम बनाकर रखें और सब अच्छा होगा। पद्मभूषण से सम्मानित गायिका के स्वास्थ्य से जुड़ी गलत जानकारी और अफवाह फैलाने वाले लोगों पर नाराजगी जाहिर करते हुए बेटे ने कहा कि कुछ लोगों को गलत खबर फैलाने में बहुत आनंद आता है। ऐसा नहीं करना चाहिए। मैं सबसे बात करुंगा, कुछ से कल बात भी की है। अंशुमन ने शारदा सिन्हा के निधन की अफवाह फैलाने वाले लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, जब तक कि आप किसी खबर को लेकर पुष्ट न हों, तब तक उस बात को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। अंशुमन सिन्हा ने कहा कि अभी उनकी मां जिंदा हैं और बहुत अच्छी तरीके से लड़ रही हैं। उन्हें पॉजिटिव एनर्जी और दुआओं की जरूरत है। लोक गायिका बीते 7 सालों से मल्टीपल मायलोमा से जूझ रही हैं।

हमारे मंदिर में माफी मांगे या 5 करोड़ दे, लॉरेंस बिश्नोई के नाम से सलमान खान को फिर मिली धमकी

मुंबई, 05 नवंबर [एजेंसी]।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और एक्टर सलमान खान लगातार चर्चाओं में हैं। कुछ समय पहले एक युवक ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर सलमान को धमकी दी थी। साथ ही उसने पांच करोड़ रुपये की फिरौती भी मांगी थी। इस युवक को पुलिस ने जमशेदपुर से गिरफ्तार किया था। वहीं, अब एक बार फिर से अभिनेता सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी मिली है। मुंबई पुलिस ट्रैफिक कंट्रोल को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से एक धमकी भरा मैसेज मिला है, जिसमें लिखा है, यह लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। अगर सलमान खान को

जिंदा रहना है तो उसे हमारे मंदिर में जाकर माफी मांगनी चाहिए या 5 करोड़ रुपए देने चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है तो हम उसे मार देंगे। हमारा गिरोह अभी भी सक्रिय है। मुंबई पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और व्यक्ति की तलाश जारी है।

यूपी में पान मसाला, गुटखा मशीन के रजिस्ट्रेशन पर योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला, कंपनी मालिकों की उड़ी नींद!

लखनऊ, 05 नवंबर [एजेंसी]।

तंबाकू, पान मसाला और गुटखा बनाने वाली कंपनियों के लिए जीएसटी की चोरी करना आसान नहीं होगा। अब इस तरह के संवेदनशील उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को राज्य जीएसटी में भी अपनी मशीनों का पंजीकरण कराना होगा। हर मशीन के उत्पादन का विवरण रिटर्न दाखिल करते हुए देना होगा। पंजीकरण न कराने पर हर मशीन पर एक लाख रुपये राज्य कर विभाग जुर्माना लगा सकता है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश को मंजूरी दी। अब तक केंद्र सरकार ने जीएसटी में मशीनों का पंजीकरण कराने और ऐसा न करने पर जुर्माना लगाने का प्राविधान किया है। इसी के आधार पर सभी राज्यों को अपने यहां

भी मशीनों के पंजीकरण और उनसे होने वाले उत्पादन के आधार पर टैक्स लगाने की व्यवस्था को लागू करना था।

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश 2024 को कैबिनेट से स्वीकृति दिलाकर नई धारा-122 क को जोड़ा गया है। इसके तहत जो कंपनियां इस धारा का उल्लंघन करेंगी, उन पर प्रति मशीन एक लाख रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही मशीन को सील भी कर दिया जाएगा। पंजीकरण और जुर्माना राशि जमा करने के तीन दिन बाद मशीन को सीलमुक्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा धारा- 2 (61) और धारा-20 में संशोधन किया गया है। धारा- 2 (61) में संशोधन करके इनपुट सेवा वितरक की परिभाषा में बदलाव करके आइटीसी को विस्तार दिया गया है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

पाली, करतला, कटघोरा और कोरबा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में विद्यार्थियों को मिलने लगा गरम नाश्ता

पोड़ी-उपरोड़ा, कोरबा शहरी स्कूलों में पहले से बंट रहे नाश्ते

कोरबा । जिले के सभी शासकीय प्राइमरी और मिडिल स्कूलों के विद्यार्थियों को अब सुबह स्कूल आते ही नाश्ता मिलेगा। पोड़ी-उपरोड़ा तथा कोरबा ग्रामीण क्षेत्र में वितरण के पश्चात् आज 04 नवंबर से कोरबा जिले के अन्य सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में इसकी शुरूआत कर दी गई है। दोपहर को मध्यान्ह भोजन मिलने से पहले स्कूल पहुंचते ही सुबह का नाश्ता मिलने पर विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण था। आज कटघोरा, पाली, करतला तथा कोरबा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिवकला कंवर तथा संबंधित जनपदों के अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को सुबह नाश्ता प्रदान किया गया। दीपावली अवकाश के पश्चात् स्कूल प्रारंभ होते ही विद्यालय पहुंचे विद्यार्थियों को गरम नाश्ता प्रदान किया गया। स्कूल की कक्षा में जाते ही नाश्ते के लिए आमंत्रित किए जाने पर विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं शाला विकास प्रबंधन समिति के माध्यम से विद्यार्थियों को नाश्ता परोसा गया। नाश्ता पाकर विद्यार्थी एक दूसरे से चर्चा करते रहे और घर पहुंचते ही अपने माता पिता, भाई-बहनों को भी स्कूल में नाश्ता मिलने की जानकारी दी। विद्यार्थी इस बात पर भी खुश थे कि अब उन्हें प्रतिदिन स्कूल पहुंचने पर सुबह-सुबह गरम नाश्ता मिलेगा।

गौरतलब है कि शासन के निर्देश पर उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया था कि कोरबा जिले के शासकीय प्राथमिक और माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों को नाश्ता प्रदान किया जाएगा। इस निर्णय के परिपालन में सर्वप्रथम कोरबा ब्लॉक के शहरी तथा पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के समस्त विद्यालयों में नाश्ता वितरण का उद्घाटन मंत्री श्री देवांगन की अध्यक्षता में किया गया। जिले के दूरस्थ विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा और कोरबा शहरी अंतर्गत विद्यालयों में नाश्ता वितरण कार्यक्रम का बेहतर फीडबैक प्राप्त होने और विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ने को देखते हुए नाश्ता वितरण जिले के अन्य ब्लॉक कटघोरा, पाली, करतला तथा कोरबा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र में भी आज से प्रारंभ कर दिया गया है।शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को दिए जाने वाले नाश्ते के मेन्यू का निर्धारण उनकी पसंद के आधार पर किया गया है। इसके लिए डीएमएफ से लगभग 08 करोड़ प्रतिवर्ष की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्टर ने अवैध शराब निर्माण की शिकायत पर कार्यवाही करने के दिए निर्देश

कोरबा। कलेक्टर जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रो एवं ग्रामीण अंचलों से अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु आम नागरिकों की परेशानियों को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों को शासन के नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जोगियाडेरा गांव में बनाई जा रही अवैध महुआ शराब की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश आबकारी विभाग को दिए।

भवानी मंदिर बस्ती के पास जोगियाडेरा के ग्रामवासियों ने जनदर्शन में शिकायत की कि गांव में पिछले वर्षों से महुआ शराब का अवैध रूप से निरंतर बनाकर बेची जा रही है। अवैध शराब को लेने के लिए बाहर के लोग भी सुबह-शाम आते हैं जिससे गांव में आए दिन लड़ाई-झगड़े और मारपीट होती रहती है। जब बस्ती वाले शराब बिक्री का विरोध करते हैं तो शराब बनाने वाले लोग ग्रामीणों से झगड़ा करते हैं और धमकी देते हैं। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश सहायक आयुक्त आबकारी को दिए।इसी प्रकार जनपद पंचायत करतला के ग्राम तरदा निवासी तेरस राम पटेल ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण कराया है। शौचालय निर्माण के 07 महीने बीत जाने के बाद भी उसे शौचालय की राशि प्राप्त नहीं होने पर शौचालय निर्माण की राशि दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने आवेदन पर संज्ञान लेते हुए सीईओ जिला पंचायत को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

अम्बेडकर नगर बांकीमोंगरा निवासी कुमारी साहू ने शिकायत की कि उसके यहां पर बिजली कनेक्शन डेढ़ साल पहले लगा था, उनके द्वारा लगातार बिजली बिल का भुगतान किया जा रहा है। लेकिन पिछले 04-05 महीने से बिजली बिल घरेलू खपत से अत्याधिक आ रहा है। माह सितंबर का बिजली बिल 80,460 रूपए का दिया गया है, जिससे वह बहुत अधिक परेशान है। कलेक्टर ने कार्यपालन अभियंता सीएसपीडीसीएल को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में मुआवजा राशि दिलाने, रोजगार, नाली निर्माण, पेयजल की समस्या, सड़क मरम्मत, विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास निर्माण, रिकॉर्ड दुरूस्त, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटाने, वनाधिकार पट्टा, सीमांकन, भूमि संबंधी विवाद का निराकरण सहित अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित आवेदनों को विभागीय अधिकारियों को प्रेषित किया और जांच कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कर्मी गए हड़ताल पर सहकारी सम्मतियों में ताला लटका

कोरबा। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ रायपुर पंजीयन क्रमांक 6685 महासंघ के आह्वान पर जिले के भी सहकारी समिति कर्मचारी अपनी लंबित तीन सूत्री मांगों की पूर्ति हेतु 4 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं कर्मचारियों के हड़ताल में जाने से कोरबा जिले के सभी 41 सहकारी समितियां में ताला लटक रही है जिससे समिति के कार्य प्रभावित होते नजर आ रहे हैं।

क्योंकि समितियों के बंद होने से समिति प्रबंधक विक्रेता लिपिक एवं चौकीदार समिति में कार्य नहीं कर रहे हैं इस कारण सारा भार कम्प्यूटर ऑपरेटर के ऊपर आ रहा है। हाल ही में ऑपरेटर भी अपने हड़ताल समाप्त कर समितियों में वापस हुए हैं। कोरबा जिले के सभी सहकारी समिति कर्मचारी संभाग स्तरीय हड़ताल में बिलासपुर में बैठ रहे हैं और अपनी 3 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु एकजुट होकर शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करा रहे हैं। इनकी 3 सूत्रीय मांगों में मध्य प्रदेश शासन की तर्ज पर प्रत्येक समिति को 3-3 लाख रुपये प्रबंधकीय अनुदान देने , सेवा नियम 2018 में संशोधन कर पुनरीक्षित वेतनमान लागू करने, धान खरीदी में सुखत मान्य करते हुए सुरक्षा प्रासंगिक प्रशासनिक व्यय एवं कमीशन की राशि को चार गुना बढ़ोतरी किया जाना शामिल है।

हड़ताल के प्रथम दिन संघ के जिला अध्यक्ष विनोद भट्ट ,सचिव तुलेश्वर कौशिक संघ के पदाधिकारी वेद प्रकाश वैष्णव, अरुण ईजवा, अशोक दुबे ,आनंद कौशिक, अरुण कश्यप नरेंद्र कश्यप, राजकुमार साहू प्यारेलाल साहू ,ऋषि कुमार पांडेय, राधेश्याम कश्यप ,रामस्वरूप जायसवाल कमल दुबे,सुश्री लता सिदार, दुलीचंद धीवर जिले के लगभग 50 से अधिक सहकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ओपन थियेटर मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन,मंत्री रहेंगे उपस्थित

'कोरबा । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 05 नवंबर को शाम 07 बजे से जिला मुख्यालय के घण्टाघर चौक स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर मैदान में प्रदेश सरकार के वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता सांसद कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत, विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, विधायक रामपुर श्री फूलसिंह राठिया, विधायक पाली तानाखार श्री तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, महापौर नगर निगम कोरबा श्री राजकिशोर प्रसाद, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, सभापति नगर निगम श्री श्याम सुंदर सोनी, नेता प्रतिपक्ष श्री हितानंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती रीना अजय जायसवाल, पार्षद वार्ड क्रमांक 21 श्री सुखसागर निर्मलकर शामिल होंगे। राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ी लोक गायक श्री सुनील सोनी सहित स्थानीय कलाकारों द्वारा शानदार व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा विकास पर आधारित लगाई गई प्रदर्शनी में विकास की झलक नजर आएगी। छत्तीसगढ़ी व्यंजन एवं सेल्फी जोन समारोह के आकर्षण के मुख्य केंद्र रहेंगे।

दामाखेड़ा घटना के विरोध में कांग्रेसजनों ने किया धरना प्रदर्शन

राज्य सरकार की जमकर की गई निंदा

कोरबा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा के तत्वाधान में बलरामपुर और दामाखेड़ा की घटना के विरोध में 3 नवम्बर को टी पी नगर कोरबा में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया।

धरना स्थल पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था बद से बदतर होते जा रही है। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल बन रहा है।

सभापति श्यामसुंदर सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ को हमेशा से शांत प्रदेश के नाम से जाना जाता रहा है। लेकिन जबसे प्रदेश में भाजपा की सरकार स्थापित हुई तब से यहां की स्थिति मणिपुर जैसी डरावनी होते जा रही है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सपना चौहान ने बताया कि दिपावली पर्व के दिन रायपुर और भिलाई में 11 हत्या कांड को अंजाम दिया गया जो कि प्रदेश के लिए अत्यंत दुखद घटना है। श्रीमती चौहान ने दामाखेड़ा की घटना की जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में अब धार्मिक स्थल भी असुरक्षित हो रही है। शांत प्रिय प्रदेश में अब पहली बार जातीय आधार पर संघर्ष हो रहा है।

इस मौके पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, पुष्पा पात्रे, पूर्व पार्षद मुकेश राठौर, मनकराम साहू, रामगोपाल यादव, पूर्व एल्डरमैन आरिफ खान, गीता गभेल, पार्षद सुखसागर निर्मलकर, गंगाराम भारद्वाज, नारायण कुर्रे, कुंजबिहारी साहू, गिरधारी बरेठ, लखनलाल सहिस, माधुरी ध्रुव, शांता मंडावे, गौरी चौहान, श्याम बाई खूंटे, रजा अनवर, नेहाल, विजय सिंह, नीलिमा लहरे, जया लहरे आदि ने भी सभा को सम्बोधित किया।

ढाई दशक के विकास ने दिलाई छत्तीसगढ़ को अलग पहचान

राज्य स्थापना की रजत जयंती पर विशेष

कोरबा। देश का 26 वाँ राज्य छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। प्रसन्नता और संतोष के साथ आज के छ्त्तीसगढ़ को निहारने वाले वे लोग अधिक होंगे जिन्होंने अपने जीवन में चार से अधिक बसंत देखे होंगे। उस पीढ़ी के लिए इस छत्तीसगढ़ का विकास गर्व का एहसास कराने वाला है। स्थापना दिवस के इस पड़ाव पर हम सभी को अतीत में अवश्य झाँकना चाहिए जिससे आज की पीढ़ी भी जान और मान सके कि इतिहास के अंधेर और अंधकार को पीछे छोड़ आज हमारा छत्तीसगढ़ देश में कैसे प्रकाश स्तंभ की तरह खड़ा है। आज छत्तीसगढ़ की विकास दर 6.9 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत के करीब है। प्रतिव्यक्ति आय एक लाख 47 हजार रूपए है जो वर्तमान मध्यप्रदेश से अधिक है। प्रतिव्यक्ति बिजली की खपत राष्ट्रीय औसत 1327 यूनिट से कहीं अधिक 2211 यूनिट है। ये कुछ उदाहरण हैं जो विकास के आधारभूत मानकों में प्रदेश की स्थिति को दर्शाते हैं।

राज्य ने बीते ढाई दशकों में हर क्षेत्र में प्रगति की है और विकास के सभी आयामों में सफलता पाई है, पर इस सफलता को भी सापेक्षता के साथ देखे जाने की आवश्यकता है । किस पड़ाव से आज हम किस मुकाम पर पहुँचे हैं यह बहुत मायने रखता है। सिर्फ ढाई दशक पहले मध्यप्रदेश के इस एक तिहाई हिस्से छत्तीसगढ़ को मूलभूत सुविधाओं और महत्वपूर्ण विकास योजनाओं के लिए ताकते ही रहना पड़ता था। अधोसंरचना का विकास हो या शासकीय योजनाओं का लाभ भोपाल से निकलकर भोपालपट्टनम पहुँचना बड़ा ही कठिन था। यह भौतिक दूरी से ज्यादा इस क्षेत्र के प्रति उपेक्षा का नजरिया था जो किसी भी विकास कार्य को हमसे दूर रखता था।

बिजली आपूर्ति का मामला हो या सड़कों का विस्तार , चिकित्सा हो या शिक्षा सभी मूलभूत मामलों में यह मध्यप्रदेश के अन्य विकसित क्षेत्रों से कही पीछे धकेला गया था। मध्यप्रदेश के दौर में 28 केन्द्रीय कम्पनियों तथा 40 प्रशिक्षण संस्थाओं में से सिर्फ एक-एक छत्तीसगढ़ में स्थापित था यानि 68 में से सिर्फ दो संस्थान छ्त्तीसगढ़ के हिस्से था। ऐसे ही बजट आवंटन से लेकर व्यय के मामलों में छत्तीसगढ़ को दोयम व्यवहार का सामना करना पड़ता था। मध्यप्रदेश के राजस्व में कुल 68 प्रतिशत हिस्सा जिस छत्तीसगढ़ से मिलता था वहाँ सिर्फ 12 प्रतिशत खर्च किया जाता था। राज्य पुनर्गठन आयोग 1953 में जब गठित हुआ तब भी बड़ी मजबूती से पृथक छत्तीसगढ़ की मांग की गई थी। छत्तीसगढ़ महासभा, भातृसंघ, संघर्ष मोर्चा, छत्तीसगढ़ पार्टी, गोंडवाना पार्टी विकास मंच, छ्त्तीसगढ़ फौज, छत्तीसगढ़ मंच जैसे राजनीतिक तथा गैरराजनीतिक संगठनों ने समय - समय पर अहिंसक आंदोलनों के माध्यम से पृथक राज्य की मांग के लिए संघर्ष जारी रखा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने छत्तीसगढ़ समेत दो अन्य राज्यों के गठन का बड़ा निर्णय लिया । वर्ष 2000 में पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने संसद में जब इन तीन राज्यों के गठन को लेकर विधेयक प्रस्तुत किया तो सबसे अधिक आमसहमति छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को लेकर थी। छत्तीसगढ़ का भूभाग 44 वर्षों तक मध्यप्रदेश का हिस्सा रहा वहीं एक नवंबर 1956 के पहले मध्य भारत और बरार प्रांत में शामिल था।

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की दशकों की मांग, जब विधेयक बनकर आया तो संसद में चंद घंटों की चर्चा में लगभग निर्विरोध पारित भी हो गया। यह छत्तीसगढ़ को राज्य की मान्यता देने में एक आमसहमति को दर्शाता है। राज्य गठन के लिए विधिवत शुरूआत 18 मार्च 1994 में हुई जब भाजपा विधायक गोपाल परमार के अशासकीय प्रस्ताव को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा सर्वानुमति से पारित किया गया। केन्द्र की तत्कालीन सरकार ने इसे महत्व नहीं दिया। बाद में अटल जी ने अपनी पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादे अनुसार सबसे पहले 1998 में कैबिनेट से पास कर अपनी दृढ़ता को प्रदर्शित किया, पर सरकार गिर जाने के कारण प्रस्ताव पारित हो न सका। पुनर्निर्वाचित होने पर प्रस्ताव फिर लाया गया । 31 जुलाई 2000 को मध्यप्रदेश पुनर्गठन विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया गया। 02 अगस्त को लोकसभा में विधेयक पर कुल सवा तीन घंटे की चर्चा में विधेयक बिना किसी संशोधन के पारित किया गया। 15 सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लिया और राष्ट्रीय जनता दल, सीपीआई(एम) तथा समाजवादी पार्टी को छोड़ भाजपा, कांग्रेस, बसपा समेत सभी दलों ने राज्य गठन का समर्थन किया। दूसरी तरफ 9 अगस्त को राज्यसभा में लगभग चार घंटे चली चर्चा में 23 सदस्यों ने भाग लिया। 25 अगस्त को राष्ट्रपति डॉ के आर नारायणन ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर अधिनियमित किया। खास बात यह रही कि जिस दिन कृषि प्रधान राज्य के गठन का प्रस्ताव लोकसभा ने पारित किया वो हरेली अमावस्या का दिन था। यह छत्तीसगढ़ की कृषि परंपरा में विशेष उत्सव का दिन होता है। दूसरी ओर राज्यसभा ने वनवासी बहुल राज्य छत्तीसगढ़ के गठन संबंधी प्रस्ताव को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर 9 अगस्त को पारित किया। यह एक बड़ा सुखद संयोग है कि जिस वनवासी बहुलता वाले राज्य का गठन 24 वर्ष पूर्व किया गया था उस छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वनवासी समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक विलक्षण संयोग यह भी कि जिस लोकसभा में पृथक छत्तीसगढ़ राज्य के गठन का प्रस्ताव पारित हुआ तब विष्णुदेव साय उसके सदस्य के रूप में शामिल थे। राज्य गठन के बाद गठित सरकारों ने लोकभावना के अनुकूल तेजी से विकास पर बल दिया और स्थिर सरकारों के गठन ने विकास के पहिये को तेजी से दौड़ाया है। सुशासन की राह पर चल रही सरकारों ने विभिन्न प्रतिकूलताओं के बीच प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों से भरे राज्य को तेजी से आगे बढ़ाया है जिसके परिणामस्वरूप बीते ढाई दशकों में राज्य ने विकास के स्थापित प्रतिमानों को छुआ है। जीवन स्तर में बहुत बेहतरी आई है। बहुत कुछ किया जा चुका है पर अभी बहुत से काम बाकी हैं। इसलिए स्थापना के रजत वर्ष में राज्य निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी जी की एक पंक्ति हमें प्रेरित करेंगी कि जो पाया उसमें खो न जाएं, जो खोया उसका ध्यान करें । एनटीपीसी और एसईसीएल ने ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन में पर्यावरण संरक्षण के लिए दिखाई एकजुटताकोरबा ( ) पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनटीपीसी और एसईसीएल ने 13 मिलियन मीट्रिक टन राख को बंद खदानों में भरने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते में दुग्गा खदान के लिए लगभग 117.81 लाख घन मीटर और बिश्रामपुर खदान के लिए 12.02 लाख घन मीटर राख के निपटान की रूपरेखा तैयार की गई है। यह पहल न केवल प्रभावी राख प्रबंधन की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि बंद खनन स्थलों के पुनर्स्थापन में भी योगदान करती है, जो हमारे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मेल खाती है। एनटीपीसी के तीन स्टेशनों सिपत, लारा और कोरबा ने इस राख की आपूर्ति में सहयोग किया है। विशेष रूप से, एनटीपीसी सिपत 5.4 मिलियन मीट्रिक टन, लारा 2.9 मिलियन मीट्रिक टन, और कोरबा 4.7 मिलियन मीट्रिक टन राख भरने के लिए प्रदान करेगा। एनटीपीसी की ओर से इस एमओयू पर हस्ताक्षर करने वालों में विजय कृष्ण पांडे (परियोजना प्रमुख सिपत), अनिल कुमार (परियोजना प्रमुख लारा), और राजीव खन्ना (परियोजना प्रमुख कोरबा) शामिल थे। एसईसीएल की ओर से इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए बी.के. जेना (महाप्रबंधक पर्यावरण), प्रदीप कुमार (क्षेत्रीय महाप्रबंधक भटगांव) और संजय कुमार (महाप्रबंधक बिश्रामपुर) ने किए। यह सहयोग दोनों संगठनों की स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

मेडिकल व इंजीनियरिंग प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी हेतु प्राक्चयन परीक्षा 10 नवंबर को

कोरबा । युवा कैरियर निर्माण योजना अंतर्गत प्री मेडिकल एवं प्री इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए जिला स्तर पर आवेदन आमंत्रित किए गए थे। पात्र अभ्यर्थियों हेतु प्राक्चयन परीक्षा 10 नवंबर 2024 को दोपहर 12 से 02 बजे तक प्रयास आवासीय विद्यालय सड्डू, उरकुरा मार्ग रायपुर में आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से मिली जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत पात्र अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र विभागीय वेबसाइटपर अपलोड कर दिया गया है। उक्त वेबसाइट के माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र पर स्वयं का रोल नंबर, स्वयं सत्यापित फोटो तथा सम्पूर्ण विवरण भरकर परीक्षा केंद्र आना अनिवार्य है।

राज्योत्सव के मद्देनजर यातायात पुलिस ने जारी किया आंशिक परिवर्तित मार्ग नक्शा

कोरबा। कोरबा अंचल के घंटाघर ओपन थियेटर में 5 नवंबर को राज्य उत्सव का आयोजन किया जाएगा। आम जनता को परेशानी से बचाने आंशिक मार्ग परिवर्तित नक्शा यातायात पुलिस विभाग की और से जारी किया गया हैं। जिसके अंतर्गत कार्यक्रम के दौरान 14.00 बजे से आंशिक मार्ग परिवर्तित नक्शा के आधार पर यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से चलाई जाएगी।

इसके अंतर्गत सीएसईबी चौक से आने वाले भारी वाहनों को बुधवारी चौक से परिवर्तित कर आईटीआई चौक कोसाबाडी के आगे रिसदी चौक भेजा जाएगा। कोसाबाडी चौक से सुभाष चौक की ओर आने वाले भारी वाहनों को कोसाबाडी चौक से आईटीआई चौक परिवर्तित मार्ग में भेजा जाएगा। गुरु घासीदास चौक से महाराणा प्रताप चौक की ओर आने वाले वाहनों को ट्रांसपोर्ट नगर चौक की ओर परिवर्तित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान शहर में भारी वाहनों का प्रवेश रात्रि 12:00 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक में संगठन चुनाव पर चर्चा

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा (छ.ग.) में संगठन चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय, कोरबा में इस बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन जिला चुनाव अधिकारी राजा पांडेय के निर्देशानुसार मंडल चुनाव अधिकारियों और सहयोगियों के नाम पर निर्णय लिया गया।बैठक में भाजपा जिला चुनाव अधिकारी श्री राजा पांडेय, सहायक चुनाव अधिकारी श्री संजय भावनानी और श्री गोपाल मोदी की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श किया गया। सर्वसम्मति से विभिन्न मंडलों में चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति पर चर्चा की गई और उनकी सहमति से नामों को अंतिम रूप दिया गया।इस बैठक में कोरबा जिले के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे, जिनमें प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन, जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, कटघोरा विधायक प्रेम चंद पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, राजेंद्र पांडेय, महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, आरिफ खान, हितानंद अग्रवाल, और डॉ. आलोक सिंह शामिल थे।

केबीसी में अर्जुन का जबरदस्त प्रदर्शन जीते 12 लाख

कोरबा,डीपीएस एनटीपीसी के छात्र अर्जुन अग्रवाल ने 11 वर्ष की उम्र में केबीसी जूनियर के इस सीजन में 12 लाख 50 हजार प्वाइंट जीते है।केबीसी जूनियर का पहला शो आज सोमवार रात ही प्रसारित हुआ।शो के प्रस्तोता अमिताभ बच्चन ने अर्जुन की प्रतिभा की भूरी भूरी प्रशंसा की।शो पर अर्जुन अपने माता, पिता और छोटी बहन नैना के साथ आया था।यह कोरबा के लिए भी गौरव की बात है कि यहां का निवासी कोई नन्हा छात्र यूं केबीसी जूनियर में सफल रहा।25 लाख के सवाल का जवाब न मालूम होने पर अर्जुन ने गेम क्विट कर दिया।

अर्जुन अग्रवाल के पिता मनीष अग्रवालकोरबा में डीजीएम (एमजीआर) और माता नेहा अग्रवाल गृहणी है, जिनकी अर्जुन से एक छोटी बिटिया नैना भी है।नेहा अग्रवाल ने कहा। हम हमेशा उसकी क्षमताओं पर विश्वास करते थे, और जूनियर केबीसी पर उसके प्रदर्शन ने उसे सच कर दिखाया है

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने की सख्त कार्यवाही की मांग

कोरबा। कोरबा अंचल के कोसाबाड़ी क्षेत्र में संचालित न्यु कोरबा अस्पताल में पिछले दिनों दुर्घटना में घायल मरीज को भर्ती कराया गया था जहाँ उसके परिजन और कुछ लोगो ने ईलाज में लापरवाही और बिल को लेकर अस्पताल में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। जिसका वीडियो भी सामने आया था परिजन मरीज को अस्पताल से लेकर कही दूसरे निजी अस्पताल लेकर चले गए। इस मामले की शिकायत अस्पताल प्रबंधन ने सिविल लाइन थाना पुलिस से की थीं। जिस पर कार्यवाही नही होते देख ईंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने जिलाधीश और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। और दोषियो पर सख्त कार्रवाईकी मांग की ।

नारायण थलिया का हुआ निधन

कोरबा । अंचल की प्रतिष्ठित संस्थान श्रीराम औषधालय, कोरबा के संचालक का निधन हो गया हैं। वे सुरेंद्र थलिया, नरेंद्र थलिया, रवींद्र थलिया के पिता थे। अत्यंत ही सरल, सहज, हंसमुख प्रवित्ती, मृदभासी, सरल, सामाजिक, नारायण थलिया के निधन की खबर से परिजनों, शुभचिंतकों, मित्रो सहित नगरजनों में शोक की लहर दौड़ गयी हैं। उनकी अंतिम यात्रा मोतिसागर पारा मुक्तिधाम कोरबा के लिये दोपहर 1 बजे उनके निज निवास से निकलेगी। श्रद्धांजलि स्वरूप मेन रोड कोरबा की सभी दवा संस्थान दोपहर 3 बजे तक बंद रहेंगी।

जमीन बेचने में की गई धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा। अन्य जमीन को बताकर धोखे से रजिस्ट्री कराकर लाखो रूपया का धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को पकड़ने में थाना जांजगीर पुलिस को मिली सफलता।

आरोपी के कब्जे से धोखाधड़ी का बंटवारा रकम से खरीदी एक कार द्व- 20- क्रमांक छ्त्त 11- 5116 एवं एक नग मोबाइल को किया गया बरामद किया

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी अनिलदास महंत को आरोपी सुरेश महंत एवं उनके अन्य साथियों के द्वारा मुनुन्द रोड कालोनी में जमीन व मकान लेने के लिए बात वर्ष 2022 में किया था। जमीन को देखने गये तो आरोपियों द्वारा शुभकामना सिटी कालोनी के भीतर जमीन दिखाये व बोले कि 01 क्वाग्र मकान बनाकर रजिस्ट्री कराकर देने की बात बोले जिसका कुल 9 लाख रूपये में सौदा तय हो चुका था जिसका दिनांक 30.06.2022 को रजिस्ट्री कराया। प्रार्थी मकान को लोन में खरीदना चाहता था तो आरोपी अनंदराम उर्फ नंदलाल, सुरेश, जगदीश कश्यप के द्वारा बिलासपुर के आई. सी. आई. सी. आई. बैंक वाले से संपर्क कराया और 2,74,000/- खाता में जमा कराया था। जमीन का कागजात को लेकर बैंक गये जहां पर 6,10,000/ रूपया का प्रार्थी के नाम से स्वीकृत लोन की राशि का चेक को बैंक के अधिकारी से मिली भगत कर रकम को आरोपी नंदलाल उर्फ आनंदराम के खाता में चेक के माध्यम प्रार्थी के जानकारी बिना डलवा दिये थे और आरोपियों द्वारा रकम को आहरण कर लिया गया था।

प्रार्थी द्वारा आरोपी जगदीश एवं उसके साथियों से पूछने पर रकम मिल गया है मकान को बनाकर देंगे बोला था कुछ दिन बाद पटवारी जमीन को देखने गया तो पता चला कि उक्त जमीन शुभकामना सिटी में न होकर पिछे तरफ खेत में कृषि भूमि है और जगदीश लोग प्रार्थी को कालोनी में डायवर्सन युक्त जमीन कालोनी अंदर दिखाये थे। तथा अन्य जगह की जमीन को रजिस्ट्री कर धोखाधड़ी किये है माननीय न्यायालय के आदेश पर जांच उपरांत अपराध धारा सदर का पायें जाने आरोपियों के विरूद्ध थाना जांजगीर अपराध कमांक 768/2024 धारा 420, 34,120 (बी) भा.द.वि. कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपी नंदलाल, सुरेश महंत एवं जगदीश कश्यप को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करना तथा आरोपियो का कृत्य अपराध धारा सदर कर घटित करना पाये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर पूर्व में न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा चुका है।

प्रकरण के फरार आरोपी रामविलास कश्यप निवासी मुनूंद जो घटना घटित कर हो गया था फरार* जिसकी लगातार पुलिस द्वारा पातासाजी की जा रही थी। जिसको मुखबिर सूचना पर पकड़ा जिसको घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया गया तथा धोखाधड़ी का बंटवारा रकम से खरीदी एक कार एवं मोबाइल को आरोपी के कब्जे से बरामद किया जाकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

आरक्षक मोनू थापा लाइन अटैच अवैध वसूली का था आरोप

जांजगीर-चांपा। सारागांव में पदस्थ आरक्षक मोनू थापा द्वारा अवैध वसूली करने के संबंध में एक युवक ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर उसके विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसपी विवेक शुक्ला ने सारागांव के आरक्षक मोनू थापा को लाइन अटैच कर दिया है। दरअसल, अपने ज्ञापन में ग्राम सरवानी निवासी प्रतीक साहू पिता समारू साहू ने बताया कि आरक्षक बेच नंबर 124 मोनू थापा द्वारा अवैध वसूली करने में माहिर है। जैसे ट्रैक्टर संचालकों से रेत परिवहन में, अवैध शराब पकड़कर छुड़वाना और बिकवाना, प्रति माह अन्य तरह से अवैध वसूली की जाती है। इसकी पहले भी कई बार शिकायत हो चुकी थी। बावजूद सारागांव थाना प्रभारी सावन सारथी ने इसे रिलीव करने के बजाए रोके रखा था। जब फिर दूसरी शिकायत हुई तो एसपी ने सोमवार को उसे लाइन अटैच कर दिया है। हालांकि लगातार शिकायत को लेकर एसपी ने उसे लाइन अटैच पहले ही कर दिया था। लेकिन विडंबना यह है कि एसपी के आदेश को टीआई नहीं मान रहा था और आरक्षक मोनू थापा को सारागांव से चार महीने तक रिलीव नहीं किया। जब दूसरी शिकायत हुई तो उसे बड़ी मुश्किल से सोमवार को पुलिस लाइन में अटैच किया गया।

डर नहीं, फोन पे पर लेता था रिश्वत

सारागांव थाना क्षेत्र के लोगों में मोनू थापा के नाम से दहशत का माहौल था। प्रत्येक ट्रैक्टर चालकों से हर माह दो-दो हजार रुपए वसूली का आरोप आरक्षक मोनू थापा पर लगा था। बाकायदा कुछ लोगों ने फोन-पे पर इसे हफ्ता वसूली के पैसे भी दिए थे। लेकिन जिन्होंने फोन पे पर हफ्ता वसूली के पैसे दिए थे वे पुलिसिया बयान से मुकर गए थे। इस कारण उसके खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं हुई थी।

सारागांव में पदस्थ आरक्षक के खिलाफ लगातार शिकायतें मिली थी। इसके कारण उसे लाइन अटैच किया गया है। रविवार को वह एक दिन के लिए मोहलत मांगी थी। इसके बाद सोमवार को उसे लाइन में पदस्थ कर दिया गया है।

यदुमणी सिदार,
एसडीओपी चांपा

भगत चौक में श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा आज से

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय के पुरानी बस्ती भगत चौक के जगत निवास में श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा संकीर्तन ज्ञान यज्ञ का आयोजन 5 नवम्बर से 13 नवम्बर तक आयोजन किया जायेगा। कथा व्यासपीठ पंडित रामबिलास उपाध्याय विराजमान होंगे। वही आर्चाय पंडित व्यास नारायण उपाध्याय होंगे। श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा संकीर्तन ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगा। उसके बाद पूजन, कथा प्रारंभ, गौकर्ण प्रसंग की %कथा सुनायी जायेगी। 6 नवम्बर बुधवार चौबिस अवतार, परिक्षीत जन्म, 7 नवम्बर गुरूवार, कर्दम देवहुति प्रसंग, कपिल जन्म, ध्रुव प्रसंग, 8 नवम्बर शुक्रवार भरत चरित्र, अजामिल आख्यान, प्रहलाद प्रसंग, नरसिंह प्राकट्य की कथा, 9 नवम्बर शनिवार, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम एवं श्री कृष्ण जन्म की कथा, 10 नवम्बर रविवार को कंश वध, बाल लीला, गोवर्धन पूजन, 11 नवम्बर सोमवार को रूख्मणी विवाह, अन्य विवाह की कथा सुनायी जायेगी, 12 नवम्बर मंगलवार को तुलसी विवाह, सुदामा चरित्र, परिक्षीत मोक्ष, भगवान का स्वधाम गमन की कथा के साथ 13 नवम्बर बुधवार को तुलसी वर्षा, गीता पाठ, सहस्त्रधारा, ब्राम्हण भोज, यज्ञ विसर्जन किया जायेगी।

7 दिनों में एफआईआर कर कड़ी कार्यवाही करे

जांजगीर-चांपा। प्राचीन धरोहर को श्री हनुमान व्यायाम शाला अखाड़े का ताला तोड़कर भवन को ध्वस्त कर दिया गया। इस मामले को लेकर यादव समाज के लोगों ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि डोंगाघाट मंदिर ट्रस्ट के सर्वाकार एवं सदस्यों द्वारा बिना सूचनां दिए ध्वस्त कर दिया गया है। सप्ताह भर के भीतर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

यादव समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए मांग की है कि श्री हनुमान व्यायाम शाला भवन को बिना सूचना दिए अवैध रूप से तोड़ने वाले एवं सम्पत्ति को नुकसान पहुंधाने वाले प्राचीन धरोहर को नष्ट कर स्व. गुरूजी मोहितराम यादव की मानहानि करने वालो पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए एवं शीघ ही श्री हनुमान व्यायाम शाला अखाड़ा का निर्माण करते हुए हनुमान जी एवं मोहितराम यादव की प्रतिमा स्थापित की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला यादव समाज की ओर से हितेश यादव, गिरधारी यादव, सुरेश यादव दीपक यादव, विष्णु यादव, अमित यादव, धर्मेंद्र यादव, आर.पी. यादव, सतीश यादव, कृपाराम यादव, सोनू यादव, लखन यादव, रामप्रसाद यादव, शिवनारायण यादव, सुरेंद्र यादव, श्याम यादव, सोनू यादव, दुष्यंत यादव, रामाश्रय यादव, नरसिंह यादव, संजय यादव, नरेंद्र यादव, राकेश यादव, शिवम यादव, अनुराग यादव सहित यादव समाज के प्रतिनिधी शामिल थे।

डोंगाकोहरौद की राधिका पटेल का हुआ चयन

डोंगाकोहरौद। एसआई सलेक्शन में ग्राम पंचायत डोंगाकोहरौद किसान की बेटी राधिका पटेल की चयन होने पर श्री आशीर्वाद फाउंडेशन की प्रदेश अध्यक्ष स्वर्णा गौरहा ने मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ के पुलिस विभाग में विभिन्न पदों के लिए परिणाम जारी हुआ है। जिसमें ग्राम पंचायत डोंगाकोहरौद गरीब किसान परिवार पुनिराम पटेल छोटी बेटी राधिका पटेल की एस आई कैंडिडेट चयन हुआ है। इसमें सब इंस्पेक्टर पुलिस विभाग के पद शामिल हैं। चयनित हुए कैंडिडेट्स से मिलने पहुंचे स्वर्णा गौरहा ने बढ़ाया का उत्साह। इस मौके पर ग्राम पंचायत डोंगाकोहरौद सरपंच प्रतिनिधि शिवप्रसाद गौड़, उप सरपंच मनीष बंजारे महेश्वर विश्वकर्मा ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। राधिका पटेल ने बताया कि लंबे समय से मेहनत कर रहीं थी। लंबे इंतजार के बाद यह पद हासिल किया है ।

जंगली सुअर मारने फंसाए करंट के जाल में खुद फंसा, हुई मौत

जांजगीर चांपा। बलौदा थाना क्षेत्र के छाता जंगल दो तरह से बदनाम है। एक तो जुआरियों का अड्डा है तो वहीं जंगली सूअर का शिकार करने इस क्षेत्र के लोग बेहद सक्रिय होते हैं। कुछ इसी तरह की घटना में दिवाली के दिन की सुबह एक युवक की छाता जंगल में शव मिला। इस मामले में आशंका व्यक्त की जा रही है कि जंगली सूअर का शिकार करने तकरीबन 10 लोग करंट का जाल बिछाए थे। दुखद यह है कि करंट की चपेट में जंगली सूअर नहीं आया बल्कि जाल बिछाने वाला ही खुद चपेट में आ गया।

इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला हाईप्रोफाइल हो चुका है। क्योंकि जंगल में जिन लोगों ने करंट का जाल बिछाया था वहां करंट के सारे सबूत मिटा दिए गए थे। केवल परिजनों ने गुम इंशान की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया था और पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया था। इधर पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने से सारे तथ्य स्पष्ट होंगे। बलौदा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 31 अक्टूबर की सुबह छुई गंडई छाता जंगल झोरकी में बेलटुकरी निवासी अशोक चौहान पिता विष्णु प्रसाद 37 का जंगल में शव पड़ा है। शव में चीटियों का झुंड था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल चार दिन बाद भी पुलिस को पोस्टमार्टम की रिपोर्ट नहीं मिल पाई है। जिससे जांच अटकी हुई है।

हर साल शिकार का मामला आता है सामने

बलौदा के छाता जंगल में ग्राम पंचायत बेलटुकरी से लगा हुआ है। बेलटुकरी सहित आसपास के गांव के लोग बड़ी संख्या में जंगली सूअर का शिकार करते हैं। क्योंकि इस क्षेत्र में बड़ी तादात में जंगली सूअर है। जिसके मांस की कीमत 800 रुपए किलो से लेकर 1 हजार रुपए तक होती है। शिकार करने वालों को मुफ्त में सूअर मिल जाता है। जिसका शिकार कर मांस को मंहगे दामों में बिक्री करते हैं।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सहकारी समिति के कर्मी आंदोलन पर

जांजगीर-चापा। तीन सूत्रीय मांगो को लेकर सेवा सहकारी समितियो में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी अनिश्चित कालीन आंदोलन पर चले गए है। जिसके चलते सोसायटी में कामकाज प्रभावित हो रहा है। इसका असर होने वाले धान खरीदी पर भी पड़ सकता है।

गौरतलब है कि तीन सूत्रीय मांगो को लेकर सेवा सहकारी समितियो में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी सोमवार 4 नवम्बर से अनिश्चित कालीन आंदोलन पर चले गए है। जांजगीर चाम्पा जिले में 101 सेवा सहकारी समितियो मे %करीब 500 सौ से भी अधिक अधिकारी कर्मचारी कार्यरत है। इनमें संस्था प्रबंधक से दी लेकर आफिस आपरेटर, चपरासी, चौकीदार शामिल है। जो अनिश्चित कालीन आंदोलन पर चले गए है। उनकी मांगो पर एक नजर डाली जाए तो प्रदेश में संचालित 2058 समिति कर्मचारियो को वेतनमान एवं सुविधा प्रदान की जाए, समितियो को 3 एवं 3 लाख रूपए का प्रबंधकीय अनुदान दी जाए, नियम 2018 मे आंशिक संशोधन करते हुए पूनरक्षित वेतनमान लागू किया जाए, सुखत मान्य का हस प्रावधान करते हुए प्रासंगिक एवं सुरक्षा व्यय तर प्रदान किया जाए, खाद बीज उपभोक्ता फसल अ बीमा में दो गुना बढोतरी कर राशन वितरण में क 500 ग्राम क्षतिपूर्ति करते हुए 5 हजार रूपए की श राशि प्रदान करने सहीत अन्य विभिन्न मांगो को में लेकर अधिकारी कर्मचारी अनिश्चित कालीन एन आंदोलन पर चले गए है। इधर कर्मचारियो के जा आंदोलन पर चले जाने के कारण धान खरीदी गि से लेकर अन्य कार्य प्रभावित हो सकता है। जे इसके पूर्व विभिन्न मांगो को लेकर सेवा सहकारी समितियो में कार्यरत धान उपार्जन ज केन्द्र आपरेटर करीब एक महीने तक आंदोलन अ पर चले गए थे। हालाकि वे आपरेटर अब कामज पर वापस लौट चुके है। अब इसके बाद श प्रबंधक एवं ऑपरेटों के हड़ताल के चलते कामकाम प्रभावित होगा।

पेवर ब्लॉक लगने से बच्चों को मिलेगी धूल-कीचड़ से मुक्तिः राजकुमार साहू

जांजगीर-चाम्पा। जिले के नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सेंदरी के शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में जिला पंचायत के सभापति राजकुमार साहू द्वारा जिला पंचायत विकास निधी के तहत 2.50 लाख की लागत से पेवर ब्लॉक का निर्माण करवाया गया हैं। जिसका विधिवत लोकार्पण सभापति राजकुमार साहू द्वारा किया गया। उपस्थित लोंगो को संबोधित करते हुए श्री साहू ने कहा कि शासकीय प्राथमिक शाला सेंदरी परिसर में पेवर ब्लॉक लगने से अब स्कूली बच्चों सहित स्कूल आने-जाने वाले लोगों को सुविधा होगी, साथ बच्चे स्कूल परिसर में खाली समय में खेलकूद का भी आनंद ले सकते हैं। बच्चों को खेल कूद के दौरान किसी भी धूल, कीचड़ से परेशानी नहीं होगी। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत सेंदरी के सरपंच श्रीमती उर्मिला पटेल, देव नारायण पटेल, सौरभ पांडेय, अश्वनी पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

बिलासपुर में राज्योत्सव में दिखेगी अबूझमाड़ की संस्कृति

बिलासपुर । जिला स्तरीय राज्योत्सव पुलिस परेड मैदान में आज 5 नवंबर को उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ी लोक नृत्यों की रंगारंग प्रस्तुति के साथ अबूझमाड़ की मलखंभ ग्रुप डांस करेगा। साथ ही प्रसिद्ध भजन गायिका मैथिली ठाकुर भी प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम और प्रभारी मंत्री अरूण साव होंगे। राज्योत्सव की तैयारियां अंतिम दौर पर है। सोमवार को कलेक्टर अवनीश शरण और निगम आयुक्त अमित कुमार ने पुलिस मैदान का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मुख्य मंच, स्टॉल, पार्किंग सहित अन्य तैयारियों को देखा। समारोह स्थल पर शाम 5 बजे से रात 12 बजे तक आधा दर्जन से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुत किए जाएंगे। इस श्रृंखला में शाम 5 से 6 बजे तक स्कूली छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुत करेंगे। फिर शाम 6 से 7 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थानीय म्यूजिक बैण्ड एवं लोक कलाकारों की प्रस्तुति होगी।

आरईओ ने किसान सदन पर जमाया कब्जा,की गई शिकायत मगर कार्यवाही नहीं

जांजगीर चांपा। किसानों की सुविधा के लिए बनाए गए सर्वसुविधयुक्त किसान सदन पर तीन साल से और सूचना सलाह केंद्र में दो साल से कृषि विभाग के दो आरईओ का कब्जा है। दोनों भवनों का निर्माण किसानों की बैठक और अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही किसानों को खेती, फसल के बारे में जानकारी देने के लिए किया गया है।

मगर अभी तक इस किसान सदन का लाभ किसानों को नहीं मिल सका है। इसकी जानकारी किसानों तक को नहीं दी गई है ।उपसंचालक कृषि विभाग कार्यालय जांजगीर के पीछे करीब पांच वर्ष पूर्व 35 लाख रूपये की लागत से किसानों के लिए सर्वसुविधायुक्त किसान सदन का निर्माण कराया गया है।

किसान सदन में एक हाल और तीन चार कमरे बने हुए हैं। जहां किसान बैठक करने प्रशिक्षण आदि के लिए इसका उपयोग होना था। इसके अलावा किसानों के लिए कार्यशाला का आयोजन भी किया जा सकता है। किसानों को आधुनिक खेती के बारे में जानकारी दी जा सकती है ।किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कमल साव ने सालभर पहले कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर भवन को किसानों को दिए जाने की मांग की थी मगर कलेक्टर ने उनके आवेदन को रद्दी की टोकरी में डाल दी। वहीं इसके बाद विधानसभा चुनाव हुआ और सत्ता बदल गई ।किसानों की बातों को न अधिकारी सुन रहे हैं और न ही किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेता कोई ध्यान दे रहे हैं। जब शासन द्वारा लाखों रूपये की लागत से किसानों के लिए किसान सदन का निर्माण कराया गया है और उसमें कृषि विभाग का एक अदना सा अधिकारी अपना मकान किराया बचाने के लिए तीन साल से ठसके से रह रहा है। किसानों के लिए किसान सदन बनाया गया है तो उसे किसान संघ को सौंप दिया जाना चाहिए। मगर इसके लिए न तो किसान नेता ध्यान दे रहे हैं और न किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले नेता ध्यान दे रहे हैं। किसानों के लिए बनाए गए सर्वसुविधयुक्त किसान सदन की तरह ही आठ लाख रूपये की लागत से उपसंचालक कृषि विभाग कार्यालय परिसर में बनाए गए कृषक सूचना सलाह केंद्र में भी कार्यालय में संलग्न और बलौदा ब्लाक में पदस्थ आरईओ शिव कुमार राठौर दो साल से कब्जा करके रखे हुए हैं ।

*__बिलासपुर।__ बिलासपुर में शराब के नशे में एक युवक ने बंदर की बेरहमी से पिटाई कर दी। बंदर को अधमरी हालत में कानन पेंडारी जू में भर्ती कराया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अंकुर अग्रवाल उम्र लगभग 38 वर्ष पिता श्री सतीश अग्रवाल निवासी वर्षा मेडिकल एम.जी. रोड पुराना बस स्टैण्ड के पास कोरबा तहसील कोरबा जिला कोरबा छ.ग. का हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं :-

यह कि मेरे द्वारा अपने पुत्र शौय वर्धन अग्रवाल (Shaurya Vardhan Agrawal) का जन्म प्रमाण पत्र बनवाया गया था जिसमें उसका नाम शौर्यवर्धन अग्रवाल (ShauryaVardhan Agrawal) का जन्म दिनांक 24.02.2014 एवं पिता श्री अंकुर अग्रवाल माता रूचिका अग्रवाल दर्ज है, जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक 433 है तथा रजिस्ट्रेशन दिनांक 15.04.2014 है। मेरे पुत्र का सही नाम शौर्य वर्धन अग्रवाल (Shaurya Vardhan Agrawal) है। मेरे पुत्र के उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम सुधारकर उसका सही नाम शौर्य वर्धन अग्रवाल (Shaurya Vardhan Agrawal) दर्ज कर उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र की द्वितीय प्रति प्रदान किया जाए जिसके लिए जो भी नियम एवं शर्ते होगी उसका पालन मेरे द्वारा किया जाएगा। यह शपथपत्र मेरे द्वारा अपने उपरोक्त कथन के समर्थन में निष्पादित किया गया है जिसे संबंधित विभाग ने प्रस्तुत करना है।

शपथकर्ता
अंकुर अग्रवाल

50 प्रतिशत से ज्यादा असाक्षर को अब तक नहीं मिली पाठ्य सामग्री

जांजगीर। 100 फीसदी साक्षरता के उद्देश्य शुरू किया गया उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अपने लक्ष्य से भटका नजर आ रहा है। नवंबर शुरू होने के बावजूद अब तक पहले बैच की परीक्षा ही नहीं हो पाई है। लापरवाही का आलम यह है कि अब भी 50 फीसदी से ज्यादा असाक्षरों को पाठ्य सामग्री तक नहीं मिल पाई है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम साल 2022 से मार्च 2027 तक संचालित होना है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्य के अनुसार 100 फीसदी लोगों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाना है। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत चह्नांकित स्कूलों में उल्लास साक्षरता केन्द्र (सामाजिक चेतना केन्द्र) स्थापित करना था, जहां असाक्षरों को 200 घंटे का अध्यापन कराकर बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान देना नवसाक्षर बनाने की है। इसमें नवसाक्षरों को महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल विकास, सतत् शिक्षा-शिक्षार्थियों को कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संस्कृति, खेल मनोरंजन एवं स्थानीय रूचि के अनुसार अन्य विषय में उन्नत ज्ञान उपलब्ध कराना है ।जिले में सर्वे कर 30 हजार लोगों को साक्षर बनाने के लिए ढूंढा गया पर उन्हें जिस पुस्तक व पाठ्य सामग्री से शिक्षा दी जानी थी, उसके बंटने की शुरुआत ही देरी से हुई। साल 2024 को खत्म होने को अब दो माह से कम समय बचा है। बावजूद अब तक 15000 से ज्यादा असाक्षरों को शासन की ओर से किताबें ही नहीं मिल पाई हैं। ऐसे में कहा जा सकता हैं क लोगों को साक्षर बनाने का काम कागजों पर ही चल रहा है। उल्लास कार्यक्रम स्वयंसेवकों के माध्यम से ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड में संचालित होना था। स्वयंसेवकों के प्रोत्साहन के लिए उन्हें सिर्फ प्रशस्ति पत्र ही दिया जाएगा। स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने अधिकतर 10 वीं 12 वीं के छात्र हैं। जिन्हें प्रशस्ति पत्र के साथ 10 अंक बोनस का देने का आश्वासन दिया है। पर कोई पारिश्रमिक नहीं होने से वे भी बच्चों को पढ़ाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। केन्द्र सरकार की सहायता से संचालित होने वाले इस उल्लास कार्यक्रम में आकांक्षी जिले, वामपंथ उग्रवाद प्रभावित जिले, राष्ट्रीय और राज्य औसत से कम साक्षरता दर वाले जिले, 2011 की जनगणना के अनुसार महिला साक्षरता 60 प्रतिशत से कम दर वाले जिलों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अलावा अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्य बहुल आबादी वाले जिले, शैक्षणिक रूप से पिछड़े विकासखण्डों में पहले चरण में 15 से 35 आयु वर्ग के असाक्षरों और उसके बाद 35 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों को साक्षर बनाना इस अभियान का उद्देश्य है।

पिछले साल जांजगीर-चांपा जिले में 7 हजार लोगों को साक्षर बनाया गया था राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण भारत सरकार नई दिल्ली की ओर से प्रदेश में साक्षरता की दर बढ़ाने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वयस्क (जिन्होंने औपचारिक शिक्षा नहीं ली है) को साक्षर बनाने के लिए उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया गया है।

रायगढ़ में मां काली की प्रतिमा का विसर्जन:बंगाली समाज ने दीपावली के दिन की थी स्थापना, हर दिन होता रहा भंडारा

रायगढ़। दीपावली के दिन हर साल की तरह मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई थी।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में दिवाली के दिन बंगाली समुदाय ने मां काली की मूर्ति स्थापित की थी। जिसकी हर दिन पूजा-अर्चना की जा रही थी। चार दिन बाद सोमवार की रात विधि-विधान से मूर्ति का विसर्जन किया गया।

शहर के सुभाष नगर बंगाली पारा में हर साल की तरह इस बार भी दीपावली की रात मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई। रात में फूलमाला के साथ सिंदूर, दीप से मां की पूजा पाठ समुदाय के लोगों ने किया। इस रात बंगाली समाज की महिलाओं ने निर्जला उपवास भी रखा। इसके बाद से लगातार चार दिनों तक यहां श्रद्धालु पहुंचे। सुबह और शाम पूजा अर्चना की गई। समाज के बड़े बुजुर्गों से लेकर बच्चे भी मां काली के दरबार पर मत्था टेकने पहुंचे।

सोमवार को हुआ मूर्ति का विसर्जन

अब सोमवार को मां काली की प्रतिमा का

विसर्जन किया गया। पंडाल से प्रतिमा लेकर श्रद्धालु स्टेडियम रोड से चक्रधर नगर चौक तक पहुंचे। वहां से वापस स्टेडियम रोड होते हुए बोइरदादर चौक, विजयपुर चौक होते हुए विजयपुर तालाब में मां की प्रतिमा का पूरी श्रद्धा के साथ विसर्जन किया।

दिन भर होता रहा भंडारा

समिति के सदस्यों ने तीन दिनों तक भंडारे का भी आयोजन किया। हर दिन दोपहर के समय प्रसाद भंडारा में बांटा जा रहा था। बंगाली समाज ही नहीं बल्कि मालीडीपा, बोइरदादर, विनोबा नगर, संजय नगर, आईटीआई क्षेत्र से काफी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता का प्रसाद ग्रहण कर रहे थे।

महिलाएं काफी संख्या में शामिल हुई

मां काली पूजा समिति के पूर्व अध्यक्ष मुकेश मजुमदार ने बताया कि, चार दिनों तक पूरा क्षेत्र मां काली की भक्ति में डूबा रहा। इसमें पंडाल स्थल पर महिलाएं काफी संख्या में पूजा पाठ के लिए पहुंच रही थी और समिति के पूरे सदस्य सुबह से लेकर रात तक मंदिर में व्यवस्था संभाल रहे थे। चौथे दिन एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर श्रद्धालु विसर्जन में शामिल हुए और पूजापाठ के बाद पूरी श्रद्धा के साथ माता की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

अनमोल वचन......

जिसकी फितरत हमेशा बदलने की हो वह कभी किसी का नही हो सकता, चाहे वह समय हो या इंसान!

टीबी की वापसी क्यों

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।

डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

राशिफल

मेष राशि-आज आपका दिन सामान्य रहेगा। पिता की सलाह से आपका बिजनेस बहुत ही अच्छा चलेगा। एक नया कदम उठाएंगे जिसका असर आपके व्यापार और परिवार पर पड़ेगा। आप एक नया बिज़नेस स्टार्ट करेंगे। आपका टीम वर्क से काम बहुत ही आसान होगा, टीम वर्क में ही काम करें।

वृष राशि-आज आपका दिन आनंदमय रहेगा। अपने काम के प्रति ज्यादा ही ईमानदार रहेंगे। ससुराल पक्ष से आपको सपोर्ट मिलेगा। किसी से उधार लिया धन आज वापस कर देंगे जिससे आपकी टेंशन कम होगी। अपने परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे, जिससे आप काफी मनोरंजन करेंगे।

मिथुन राशि-आज आपका दिन बेहद ही खुशनुमा रहेगा। आपके आत्मबल में बढ़ोतरी होगी, अपना हर काम बहुत ही ईमानदारी से करेंगे। काफी दिनों से हो रहे फीवर से आपको छुटकारा मिलेगा आप रिलैक्स फील करेंगे। आप कोई कीमती वस्तु खरीदेंगे।

कर्क राशि-आज आपका दिन बेहद खास पल लेकर आएगा। अपने जीवन में आ रही सभी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए किसी अच्छे सलाहकार से सलाह लेंगे, आपको जल्द ही सोल्यूशन मिल जायेगा। किसी इवेंट में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा, जहां आप अपने विचार रखेंगे।

सिंह राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज का दिन आपके लिए काफी भागदौड़ वाला रहेगा फिर भी आप अपना काम अपनी क्षमता के बल पर अच्छे तरीके से पूरा कर लेंगे। अपने दयालु स्वभाव के कारण किसी चतुर व्यक्ति का शिकार बन सकते हैं, थोड़ा सचेत रहें।

कन्या राशि-आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर में माता जी आज कोई धार्मिक कार्यक्रम करेंगी, आपको काफ़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। बड़े बुजुर्गों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपने सरल व्यवहार से आप दूसरों के दिलो पर राज करेंगे।

तुला राशि-आज आपका दिन बेहद ही उत्सुकतापूर्ण रहेगा। आज वैज्ञानिक लैब में नया परीक्षण होगा, जिससे आम जनता को लाभ मिल सके। आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ेगी जिन्हें आप अच्छे से निभाएंगे। लवमेट को आज एक-दूसरे को अच्छे से समझने का मौका मिलेगा, उनके बीच रिश्ते और ज्यादा बढ़ेंगे। बिजनेसमैन काफी व्यस्त रहेंगे।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बिजनेसमैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड करेंगे जिसमे अहम् मुद्दों पर बातचीत होगी। आप को ज्यादा वर्क करना पड़ेगा इसलिए आप अपनी वर्किंग स्पीड मेन्टेन करेंगे। आज साइंस के स्टूडेंट्स का प्रैक्टिकल एग्जाम होगा, पूरा दिन व्यस्तता से भरा रहेगा।

धनु राशि-आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लाया है। आज आपके आस-पास में कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमे आपका परिवार शामिल होगा। आपका व्यापारिक दृष्टिकोण बढ़ेगा, जिससे अपने बिज़नेस को बढ़ाने मे सफल होंगे।

मकर राशि-आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। पास के किसी मंदिर में दर्शन करने के लिए जायेंगे। काम के सिलसिले में आपको किसी दूसरे राज्य भी जाना पड़ सकता है, जहां आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा।

कुंभ राशि-आज का दिन आप लोगों के लिए व्यस्तता से भरा रहेगा।कोई धार्मिक यात्रा करने जायेंगे। आज आपका कोई मुकदमे से रिलेटेड मामला सॉल्व होगा जिससे आपकी टेंशन कम होगी और आप अपने आप को हल्का महसूस करेंगे।

मीन राशि-आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। किसी से चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी दोनों के बीच में समझौता होगा। आज ऑफिस में बॉस द्वारा पार्टी मिलेगी जिसे सभी लोग एन्जॉय करेंगे। इस राशि की माताएं अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ ठोस कदम उठाएंगी।

राहुल मनुस्मृति के बारे गांधी के विचारों को नहीं पढ़ा

//अजीत द्विवेदी//

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों झारखंड की राजधानी रांची में संविधान के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में देश में कथित तौर पर चल रहे वैचारिक संघर्ष को प्रतीकित करने वाली दो बातें कहीं। पहली, मनुस्मृति संविधान विरोधी है'। यह एकदम बेतुकी बात है क्योंकि दो विचारों को एक दूसरे का विरोधी तभी कहा जा सकता है, जब वे समकालीन हों और एक साथ चलन में हों। दूसरी, मनुस्मृति और संविधान के बीच दशकों से संघर्ष चल रहा है'। सवाल है कि क्या सचमुच इस तरह का कोई वैचारिक संघर्ष धरातल पर चल रहा है। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब देश 75 साल से संविधान के आधार पर चल रहा है, जिसमें से 55 साल के करीब कांग्रेस सत्ता में रही है और उसमें भी 38 साल राहुल गांधी के परनाना, दादी और पिता ही प्रधानमंत्री रहे तो अब मनस्मृति से देश चलने की बात कहां से आ गई।

इस सदी में 10 साल कांग्रेस का शासन था और तब राहुल गांधी भी सांसद थे क्या तब भी मनुस्मृति और संविधान में संघर्ष चल रहा था। अगर चल रहा था तो राहुल गांधी या कांग्रेस के किसी भी नेता ने 10 साल में एक बार भी इसका जिक्र क्यों नहीं किया और अब अचानक राहुल गांधी इसे लेकर क्यों इतने मुखर हो गए हैं। जाहिर है राहुल गांधी को न तो मनुस्मृति से कोई मतलब है और न संविधान से। उनको सत्ता की राजनीति से मतलब है। होना भी चाहिए क्योंकि वे कोई संत, महात्मा या दार्शनिक तो हैं नहीं। वे नेता हैं और नेता की ही तरह काम करते हैं।

लेकिन सत्ता हासिल करने की बेचैनी में वे जो बातें कह रहे हैं उनसे देश और समाज का कोई भला नहीं हो रहा है। संविधान और कानून के शासन वाले देश में वे जबरदस्ती मनुस्मृति की बात करके सामाजिक विभाजन बढ़ाने का खतरनाक प्रयास कर रहे हैं। वास्तविकता यह है कि इस देश में मनुस्मृति कोई नहीं पढ़ता है। खुद राहुल गांधी ने भी उसका एक भी पन्ना नहीं पढ़ा होगा। उनको पता भी नहीं होगा कि मनुस्मृति के कितने संस्करण मौजूद हैं और उनमें से कोई भी असली नहीं है।

वे शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि सोशल मीडिया में मनुस्मृति के नाम से जितनी बातें वायरल होती हैं उनमें से ज्यादातर बातें उस ग्रंथ में नहीं लिखी हैं। मनुस्मृति के की जो बातें सोशल मीडिया में प्रचारित होती हैं उनका असली मकसद सामाजिक विद्वेष बढ़ाना और राजनीतिक लाभ लेना होता है। वह देश में एक नया नैरेटिव सेट करने का टूलकिट है, जिसके पीछे बड़ा खेल हो सकता है। जरूरी नहीं है कि जिस हैंडल या अकाउंट से इसे प्रचारित किया जाता है उसके पीछे कोई पिछड़ा, दलित या कोई प्रगतिशील चेहरा हो। लेकिन वह अलग बहस और चिंता का विषय है।

अभी इस सवाल पर विचार करने की जरुरत है कि क्या सचमुच इस देश में मनुस्मृति और संविधान को लेकर कोई संघर्ष चल रहा है। धरातल पर तो ऐसा कोई संघर्ष देखने को नहीं मिलता है। इसकी पड़ताल करने के लिए कहीं भी 10 लोगों से मनुस्मृति के बारे में पूछा जा सकता है। ज्यादातर लोगों ने इस ग्रंथ का नाम नहीं सुना होगा और सुना भी होगा तो उसके बारे में कोई जानकारी नहीं होगी। हां, यह जरूर है कि भारत में समाज के संचालन के जो नियम बने उनका एक बड़ा हिस्सा मनुस्मृति की बातों पर आधारित है।

लेकिन यह काम 10 या 20 साल पहले या सौ दो सौ साल पहले नहीं हुआ है, बल्कि हजारों साल पहले हुआ और समय के साथ उसमें बदलाव आता गया। यह भी सही है कि अंग्रेजों ने बांटो और राज करो' की अपनी नीति के तहत इसे आधार बना कर कुछ कानून बनाए। लेकिन आजादी मिलने और संविधान लागू होने के बाद तो सारी चीजें बदल गईं। अब निजी, पारिवारिक या धार्मिक कार्यक्रमों में वेद या मनुस्मृति की कुछ बातों का पालन होता हो तो अलग बात है लेकिन सार्वजनिक जीवन में या सरकार के कामकाज में मनुस्मृति की किसी भी बात का प्रयोग नहीं होता है।

मनुस्मृति का सिर्फ इतना ही मतलब है कि इस ग्रंथ ने प्राचीन भारत के हमारे पूर्वजों को एक रास्ता दिखाया था। यह बताया था कि समाज के संचालन के लिए एक संहिता की जरुरत होती है। यह ठीक उसी तरह था, जैसे मध्य पूर्व में हम्मूराबी की संहिता बनी थी। यह वो समय था, जब समाज को संचालित या नियंत्रित करने के लिए कोई नियम या कानून नहीं थे। उस समय जो सामाजिक व्यवस्था मौजूद थी उसे देखते हुए एक संहिता बनाई गई थी, जिसे लेकर यह विवाद है कि इसे स्वंयभू मनु ने बनाई या भृगु ऋषि ने बनाई, इसे एक व्यक्ति ने लिखा या कई व्यक्तियों ने लिखा और एक बार लिखे जाने के बाद सदियों तक इसमें कुछ चीजें जोड़ी जाती रहीं। लेकिन जिसने भी बनाई उसने अपने समय की वास्तविकताओं और जरुरतों के हिसाब से इसे बनाया, जिसका मकसद समाज में व्यवस्था बहाल करना था। एक बार संहिता बन जाने के बाद आगे आने वाली पीढियों की जिम्मेदारी थी कि वे समय की जरुरतों के हिसाब से इसमें सुधार करें या इसे पूरी तरह से खारिज करके नई संहिता बनाएं। भारत में भी तमाम सुधार और बदलाव हुए। इसके बावजूद अगर कुछ चीजें समाज में ऐसी मौजूद हैं, जिनके बीज मनुस्मृति में थे तो वह ग्रंथ लिखने वाले की नहीं, बल्कि समाज की कमी है।

सोचें, महज 75 साल पहले बने संविधान में एक सौ से ज्यादा बदलाव हो चुके हैं। बदलते हुए समय की जरुरतों के हिसाब से संविधान को बदला जाता है। लेकिन जब भी संविधान का कोई प्रावधान बदला जाता है तो क्या संविधान बनाने वालों को गालियां दी जाती हैं? उनकी लिखी कोई बात अगर समय की कसौटी पर सही नहीं उतरी तब भी वे सम्मानीय हैं क्योंकि उन्होंने अपने समय की जरुरत के हिसाब से उसे लिखा था।

इसी तर्क से मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को सम्मान क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह रास्ता दिखाया कि समाज को संचालित और नियंत्रित करने के लिए एक संहिता की जरुरत है, क्या इसके लिए वे सम्मान के पात्र नहीं हैं। इस ग्रंथ में कई बातें मानवाधिकार, स्त्री अधिकार, बाल अधिकार आदि की अवधारणा के अनुकूल नहीं हैं या विरोधाभासी हैं। लेकिन ये अवधारणाएं तो एक सदी पुरानी भी नहीं हैं। इनकी कसौटी बना कर करीब दो सहस्त्राब्दी पहले लिखे गए ग्रंथ का आकलन कैसे किया जा सकता है।

हम्मूराबी की संहिता में भी सैकड़ों ऐसी चीजें हैं, जो आधुनिक अवधारणों की कसौटी पर बहुत खराब हैं। लेकिन इस आधार पर तो हम्मूराबी संहिता लिखने वाले को गाली नहीं दी जाती है। फिर मनुस्मृति लिखने वाले या लिखने वालों को गाली देने का क्या मतलब है। इनके लेखकों ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। इन दोनों ग्रंथों का मानव सभ्यता के इतिहास में वही स्थान है, जो आग और पहिए के आविष्कार का है। सोचें, हमारे पूर्वजों ने कैसे पत्थरों को आड़ा तिरछा काट कर पहला पहिया बनाया था और आज हम मिशेलिन टायर्स बना रहे हैं तो क्या हम अपने पूर्वजों को गाली देते हैं कि उन्होंने कैसा पहिया बनाया था। आज आग जलाने के दर्जनों फैंसी तरीके उपलब्ध हैं लेकिन क्या हम पत्थरों को रगड़ कर आग पैदा करने वाले अपने पूर्वजों को गाली देते हैं। आज आंख के निर्देश पर चलने वाले फोन बन गए तो क्या हम अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को गाली दें कि उन्होंने कैसा फोन बनाया था! लेकिन भारत ऐसे कृतघ्न लोगों का देश है, जो छोटे छोटे राजनीतिक फायदे के लिए अपने महान पूर्वजों का अपमान करने में भी नहीं हिचकता है।मनुस्मृति को लेकर जो दुराग्रह है और उसको जिस तरह से प्रकट किया जाता है उसके पीछे विशुद्ध राजनीतिक मकसद है। असल में कांग्रेस इससे पहले कभी 10 साल तक सत्ता से बाहर नहीं रही है। सो, उसकी बेचैनी बढ़ रही है। तभी उसके नेता सत्ता के लालच में एक प्राचीन ग्रंथ को आधार बना कर सामाजिक विभाजन बढ़ा रहे हैं। जिन लोगों ने मनस्मृति का एक अक्षर नहीं पढ़ा वे इसको गालियां दे रहे हैं और इसको संविधान के बरक्स रख रहे हैं। इस तरह से वे दोनों ग्रंथों का अपमान कर रहे हैं। राहुल गांधी सारे समय महात्मा गांधी की बात करते रहते हैं लेकिन उन्होंने मनुस्मृति के बारे में गांधी के विचारों को भी नहीं पढ़ा है। गांधी ने बार बार कहा कि इसे गाली देने या जलाने की जरुरत नहीं है। वे कहते थे कि इसकी अच्छी बातों को अपना लो और बुरी बातों को छोड़ दो। लेकिन यह काम तो वह करेगा, जो सत्ता के लोभ में अंधा नहीं हुआ हो।

आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या

//बलबीर पुंज//

एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

मिथक हिंदू/भगवा आतंकवाद' सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका फिर खुलासा पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा, उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवादज् यह गलत था। इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए।

यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए हिंदू आतंकवाद' रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था।

शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था। इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतः स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यूपीए (वर्तमान आईएनडीआईए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था।

व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते हिंदू/भगवा आतंकवाद' शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का जाल बुना गया। इसकी जड़े 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती है, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे। तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि 13वां' धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडऩे का प्रयास था। इसी चिंतन को यूपीए-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी।चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था।

हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडऩे का प्रयास किया था। इस संबंथ में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हेडली (दाऊद सैयद गिलानी) के जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता।

वास्तव में, यह हिंसा-घृणा के पीड़ितों को अपराधी' और दोषियों को मासूम' बताने की सेकुलरवादी' (लेफ्ट-लिबरल' सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में श्रंखलाबद्ध 12 बम धमाकों हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई। आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार के हेतु कोयंबटूर आना था। परंतु विमान परिचालन में देरी से उनकी जान बच गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने न केवल इन बम धमाकों का आरोप संघ पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दिया– अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाले ने निश्चित रूप से आडवाणी को मार देते। इसी मामले में अदालत द्वारा सैयद अहमद बाशा, फखरुद्दीन, इमाम अली आदि दोषी ठहराए गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी के दानवीकरण हेतु इस कुनबे ने फरवरी 2019 के भीषण पुलवामा आतंकवादी हमले, जिसमें 40 सुरक्षाबलों का बलिदान हुआ था– उसे भाजपा द्वारा प्रायोजित' बताने का प्रयास किया था। ऐसा ही जहरीला नैरेटिव 27 अक्टूबर 2013 को बिहार के पटना में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में भी बनाया गया था। तब प्रसिद्ध गांधी मैदान में उस समय 5 धमाके किए गए थे, जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी (वर्तमान प्रधानमंत्री) लगभग तीन लाख की जनसभा को संबोधित कर रहे थे। तब तत्कालीन सत्तारुढ़ कांग्रेस के बड़े नेताओं ने प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से धमाकों के लिए भाजपा को कटघरे में खड़ा कर दिया था। इसी मामले में अदालत ने हैदर अली, नुमान अंसारी, मोजिबुल्लाह, इम्तियाज आलम आदि को दोषी पाया था।

इसी कुनबे ने यह भी आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री मोदी बीता लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अयोध्या स्थित राम मंदिर पर पुलवामा जैसा आतंकवादी हमला करा सकते है। वास्तव में, यह नैरेटिव 500 वर्ष पश्चात पुनर्निर्मित राम मंदिर पर प्रबल संभावित जिहादी हमले होने की स्थिति में न केवल हिंदुओं को लांछित करने, अपितु असली दोषियों को मासूम बताने के अग्रिम उपक्रम का भाग है। यह कोई पहली बार नहीं है। भड़काऊ भाषणों के लिए कुख्यात और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपी अब्दुल नासिर मदनी को जेल से बाहर निकालने हेतु वर्ष 2006 में होली की छुट्टियों के दिन– 16 मार्च को केरल विधानसभा में विशेष सत्र बुलाकर कांग्रेस और वामपंथियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। ऐसी ही हमदर्दी यह समूह इशरतजहां, याकूब मेमन, अफजल गुरु, बुरहान वानी और आदिल अहमद डार जैसे घोषित आतंकवादियों के प्रति भी दिखा चुका है। आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या है और भारत सदियों से इसका शिकार। इसके खिलाफ सभ्य समाज को हर हाल में लड़ाई को जीतनी होगी। यदि हम इसी तरह आतंकवाद के वास्तविक पीड़ितों को ही अपराधी' बताते रहे, तो क्या हम इसके असली गुनाहगारों को सुरक्षित मार्ग' प्रदान नहीं कर रहे। ऐसी स्थिति में क्या भारत, आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई जीत सकता है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के चाईबासा में एक जनसभा को संबोधित किया।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने वायनाड जिले के सुल्तान बाथरी में मनरेगा महिला श्रमिकों से मुलाकात की।

पीडीपी विधायक वहीद उर रहमान पारा श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान बोलते हुए।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने वायनाड उपचुनाव से पहले केनिचिरा में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री का मेरे घर आना कोई गलत नहीं, राम मंदिर फैसले वाले बयान पर क्या बोले सीजेआई

नईदिल्ली, 05 नवंबर [एजेंसी]।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि गणपति पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उनके घर आने में कुछ भी गलत नहीं है। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों पर राजनीति के क्षेत्र में परिपक्वता की भावना होनी चाहिए। जजों पर संदेह करना व्यवस्था को बदनाम करना है। एक अंग्रेजी दैनिक के कार्यक्रम में जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मेरे घर आए थे। इसमें कतई कुछ गलत नहीं है, क्योंकि सामाजिक स्तर पर न्यायपालिका एवं कार्यपालिका के बीच मुलाकातें होती रहती हैं। हम राष्ट्रपति भवन, गणतंत्र दिवस इत्यादि पर मिलते हैं। हम प्रधानमंत्री और मंत्रियों से बातचीत करते हैं। इस बातचीत में वो मामले शामिल नहीं होते जिन पर हम फैसला करते हैं, बल्कि जिंदगी और समाज को लेकर सामान्य बातचीत होती है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि किसी को भी मजबूत अंतर-संस्थागत तंत्र के हिस्से के रूप में हुई बातचीत का सम्मान करना चाहिए और न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच शक्तियों के विभाजन का यह मतलब नहीं है कि दोनों मिल नहीं सकते।

उन्होंने कहा, शक्तियों के विभाजन का मतलब यह है कि न्यायपालिका को कार्यपालिका की भूमिका नहीं निभानी चाहिए, जो नीतियां निर्धारित करती है, क्योंकि नीति बनाने की शक्ति सरकार के पास है। उन्होंने कहा, इसी तरह कार्यपालिका मामलों का फैसला नहीं करती है। इसलिए जब तक हम इसे ध्यान में रखते हैं। संवाद होना चाहिए, क्योंकि आप न्यायपालिका में लोगों के करियर और जीवन से निपट रहे हैं।

सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संवाद का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि मामलों का फैसला कैसे किया जाता है। सीजेआई ने कहा, यह मेरा अनुभव रहा है। अयोध्या में राम मंदिर मामले के समाधान के लिए उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी, अपने इस बयान पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि वह आस्थावान व्यक्ति हैं और सभी धर्मों का समान रूप से आदर करते हैं। 2018 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट के चार जजों द्वारा प्रेस कान्फ्रेंस करने पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि संस्थागत अनुशासन कायम रखा जाना चाहिए। अगले प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के संबंध में उन्होंने कहा कि वह शांत व्यक्ति हैं और गंभीर टकराव की स्थिति में भी मुस्करा सकते हैं। उनकी (जस्टिस चंद्रचूड़) सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत सुरक्षित हाथों में है।

कैप्टन की वर्दी में अकेले खड़ा था युवक, इंस्पेक्टर ने पूछा सवाल तो जुबान पर लगा ताला, कार्ड देख पुलिस को भी हैरानी!

शाहजहांपुर, 05 नवंबर [एजेंसी]।

खुद को सेना का अधिकारी बताकर पीलीभीत जेल में बंद दो हत्यारोपियों को छुड़वाने के नाम पर एक युवक ने ठगी का प्रयास किया। रविवार को कैप्टन की वर्दी पहनकर जब रुपये लेने पहुंचा तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।पीलीभीत के सुनगढ़ी क्षेत्र के गायबोझ गांव निवासी चंदनलाल के भाई योगेश व रिश्तेदार धीरेंद्र हत्या के आरोप में काफी समय से पीलीभीत की जेल में बंद है। चंदनलाल की कुछ समय पहले भुर्जी सम्मेलन में अपने ही समाज के सदर क्षेत्र के मऊ खास निवासी रवि कुमार से मुलाकात हुई थी। रवि ने खुद को सेना में कैप्टन बताया था। चंदनलाल ने जब जेल में बंद भाइयों के बारे में बताया तो रवि ने पुलिस के अधिकारियों से अच्छी जान पहचान होने का हवाला देते हुए दोनों को जल्द छुड़वाने का भरोसा दिया था। इसके लिए उसने 50 हजार रुपये मांगे थे।

पीलीभीत में ही रुपये देना तय हुआ था, लेकिन अचानक रवि ने चंदनलाल को रुपये लेकर निगोही आने के लिए कह दिया। निगोही पहुंचने पर टिकरी चौकी के पास आने के लिए कहा। बार-बार स्थान बदलने व बातचीत का लहजा भी अधिकारियों की तरह न होने पर उन्हें शक हुआ तो निगोही पुलिस को इसके बारे में जानकारी दी, जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो रवि कैप्टन की वर्दी पहनकर एक धार्मिक स्थल के पास बाइक लेकर खड़ा था।प्रभारी निरीक्षक ने जब उससे तैनाती स्थल के बारे में पूछा तो जवाब दिया कि वर्तमान में वह श्रीनगर तैनात है।

एसपी काम्या मिश्रा ने अब ऐसा क्या किया, सरकार को माननी पड़ी उनकी मांग

पटना, 05 नवंबर [एजेंसी]।

बिहार कैडर की आइपीएस अधिकारी और दरभंगा की ग्रामीण एसपी काम्या मिश्रा लगातार लंबी छुट्टी पर चल रही हैं। अगस्त में इस्तीफा देने के कुछ दिनों के बाद से ही वह अवकाश पर हैं। अब गृह विभाग ने उनके 180 दिनों के असाधारण अवकाश की स्वीकृति दी है। सोमवार को विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी की है।दरअसल, 2019 बैच की आइपीएस काम्या मिश्रा ने निजी कारणों का हवाला देते हुए छह अगस्त को ही अपना इस्तीफा पुलिस मुख्यालय को सौंपा था। इस्तीफे पर कोई निर्णय नहीं होने पर वह 27 अगस्त से अवकाश पर चली गईं। गृह विभाग ने अपनी अधिसूचना में कहा है कि दरभंगा की ग्रामीण एसपी काम्या मिश्रा को अपने कर्तव्य पर योगदान देने में असमर्थता के कारण 27 अगस्त से 180 दिनों के असाधारण अवकाश की स्वीकृति प्रदान की जाती है। काम्या मिश्रा ने 5 साल के कार्यकाल में बेहतरीन पुलिसिंग कर अपना जलवा दिखाया था। बिहार में उन्हें लेडी सिंघम के नाम से भी जाना जाता है। काम्या ओडिशा की रहने वाली हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीए की पढ़ाई पूरी कर आईपीएस अधिकारी बनीं। पिछले कई महीने से इस्तीफा देने की बात कर रही थीं।वह बार-बार बोलती थीं कि नौकरी में मन नहीं लग रहा है। पुलिस पदाधिकारी से लेकर कर्मियों तक त्यागपत्र देने की बात को मजाक समझ रहे थे। इस्तीफे की प्रतिलिपि एसएसपी कार्यालय में भी आई है। हालांकि, पुलिस मुख्यालय से अब तक कोई सूचना जिले को नहीं दी गई है।22 वर्ष की उम्र में ही काम्या मिश्रा ने वर्ष 2019 में पहले प्रयास में यूपीएससी की परीक्षा पास कर हिमाचल प्रदेश आईपीएस कैडर प्राप्त किया था। 2021 में बिहार कैडर में स्थानांतरण करा लिया था। काम्या मिश्रा के पति अवधेश दीक्षित 2021 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं। फिलहाल मुजफ्फरपुर में सिटी एसपी के पद पर तैनात हैं। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने बताया कि इस्तीफा के संबंध में पत्र मिला है। इसे मुख्यालय को भेजा जा रहा है। जिले में ग्रामीण एसपी का पद सृजित होने के बाद काम्या मिश्रा सात मार्च 2024 को दरभंगा की पहली ग्रामीण एसपी बनीं थीं। ग्रामीण एसपी से पहले पटना सचिवालय एएसपी के पद पर तैनात थीं। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में काम्या ने 172वीं रैंक हासिल की थी।

होटल में 14 वर्षीय लड़की से बनाया शारीरिक संबंध, कुछ देर में मर गया 41 साल का व्यक्ति

मुंबई, 05 नवंबर [एजेंसी]।

मुंबई के ग्रांट रोड इलाके के एक होटल में एक नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने के बाद 41 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक एक हीरा कंपनी का प्रबंधक था, उस पर 14 वर्षीय लड़की की मां की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत दुष्कर्म और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है।बताया जा रहा है कि वह लड़की को गुजरात से अपने साथ लाया था। घटना शनिवार को हुई। होटल के कर्मचारी उसे अस्पताल ले गए, जहां कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया, ऐसा लगता है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि सूचना मिलने पर नाबालिक लड़की की मां मुंबई आई। उसने बताया कि वह व्यक्ति झूठे वादे के साथ बच्चे को बहला-फुसलाकर मुंबई ले आया था। मामले में आगे की जांच जारी है। गुजरात में इसी साल सितंबर महीने में सेक्स के दौरान 23 वर्षीय युवती की जान चली गई थी। पुलिस ने उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार अधिक खून बहने की वजह से युवती की मौत हुई थी। प्रेमी उसे अस्पताल ले जाने की बजाय गूगल में खून बंद करने के उपाय खोज रहा था। युवती नर्सिंग की छात्रा थी। घटना गुजरात के नवसारी जिले की है। आरोपी प्रेमी युवती को एक होटल ले गया था। यहां दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए। मगर इस दौरान युवती के प्राइवेट पार्ट से खून बहने लगा। प्रेमी ने कपड़े की मदद से खून को रोकने का प्रयास किया। मगर सफलता नहीं मिली।

इसके बाद उसने गूगल में भी खून रोकने के बारे में सर्च किया। तब तक अधिक खून बह गया था। देरी से अस्पताल पहुंचने की वजह से युवती को बचाया नहीं जा सका।डॉक्टरों का कहना था कि अगर समय पर युवती को अस्पताल लाया जाता तो उसकी जान बच सकती थी। युवती की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी अधिक खून बहने की वजह से मौत की पुष्टि हुई। बाद में पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि होटल के कमरे में काफी खून बिखरा था। जिसे प्रेमी ने साफ किया।

कानपुर पहुंची दिल्ली की क्राइम ब्रांच टीम, देर रात घर में दी दबिश- दो लड़कों को उठाकर ले गई अपने साथ

दिबियापुर। दिल्ली के केशवपुरम में एक घर में हुई 14 लाख की चोरी के मामले में वहां की क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक गांव के दो युवकों को हिरासत में लिया है। उनके पास से चोरी हुई रकम भी बरामद की है। इसके बाद दिल्ली पुलिस आरोपितों को ले गई है। करीब एक माह पूर्व दिल्ली के केशवपुरम में एक घर से चोरों ने करीब 14 लाख रुपये पर कर दिए थे।वहां की क्राइम ब्रांच पुलिस ने मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ ने आरोपित ने दिबियापुर के गांव ताहरपुर तचा का पुरवा निवासी दो युवकों के नाम बताए थे। जानकारी के बाद क्राइम ब्रांच की टीम एक नवंबर को टीम कस्बा पहुंची और आरोपितों की लोकेशन को ट्रेस किया।दो दिन बाद आरोपितों को लोकेशन ट्रेस होने पर टीम ने थाना पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए गांव में दबिश दी। वहां से दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए रुपये भी बरामद कर लिए गए।इसके बाद पुलिस की टीम आरोपितों को लेकर दिल्ली चली गई।

पत्नी के साथ थे अवैध संबंध, प्रेमी युवक को दी ऐसी खौफनाक मौत, खुलासा होने पर उड़े अफसरों के होश

साहिबाबाद, 05 नवंबर [एजेंसी]।

गाजियाबाद के साहिबाबाद में इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के कनावनी में रविवार रात को पत्नी से अवैध संबंध होने का बदला लेने के लिए साथी के साथ मिलकर युवक की सीने में चाकू घोंपकर हत्या की थी। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपित गली नंबर छह मां भगवती कॉलोनी गौर सिटी नोएडा के प्रिंस कुमार उर्फ गोविन्द और ठेके के पास गांव कनावनी के दीपक के रूप में हुई है। प्रिंस और विवेक पेंटर का काम करते थे, जबकि दीपक एक गैस की कंपनी में कामगार था। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि प्रिंस उर्फ गोविन्द की पत्नी के पिछले दो वर्षों से गोविंदपुरी दिल्ली के विवेक (मृतक) से अवैध संबंध थे। प्रिंस उर्फ गोविन्द ने पत्नी को छोड़ रखा था। प्रिंस विवेक से बदला लेने की फिराक में था। बताया गया कि रविवार रात को दीपक और प्रिंस कनावनी में देशी शराब के ठेके के पास बैठकर शराब पी रहे थे। तभी वहां विवेक आया। दोनों ने विवेक से गाली-गलौज कर झगड़ा शुरू कर दिया।

दोनों ने विवेक को पकड़ा और बैग से चाकू निकालकर उसके सीने पर वार कर दिया। विवेक लहुलूहान होकर वहीं गिर गया। उसकी नाक पर भी वार किया था।वहीं, आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। आसपास के लोगों को आता देखकर आरोपित मौके से भाग गए। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने अपनी ओर से इंदिरापुरम कोतवाली में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

आरोपियों के लिए जमानत नीति में सुधार लाने की कवायद, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र को दिया निर्देश

नईदिल्ली, 05 नवंबर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जेल में बंद दोषियों को सजा में स्थायी छूट देने की नीतियों में मानक तय करने और उसमें पारदर्शिता लाने को कहा है। इसके लिए शीर्ष अदालत ने निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ द्वारा जारी निर्देशों में सजा में स्थायी छूट की नीतिगत सूचनाओं तक अधिक पहुंच सुनिश्चित करने, फैसलों के बारे में समय पर जानकारी देने और मनमानी से बचने के लिए प्रत्येक मामले पर उसकी परिस्थितियों के हिसाब से विचार को अनिवार्य बनाया गया है। पीठ 2021 के एक स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसका शीर्षक जमानत देने के लिए नीति रणनीति था। शीर्ष कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे स्थायी छूट से जुड़ी अर्जी खारिज होने की सूचना दोषियों को एक हफ्ते के भीतर दें। साथ ही राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन फैसलों की प्रतियां संबंधित जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को भी भेजनी होंगी, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि दोषियों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए उचित कदम उठाए गए।पीठ ने कहा, इस स्तर पर हम निम्नलिखित निर्देश जारी करते हैं, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू होंगे। स्थायी छूट प्रदान करने के निर्णय को नियंत्रित करने वाली वर्तमान नीतियों की प्रतियां राज्यों की प्रत्येक जेल में उपलब्ध कराई जाएंगी।इन नीतियों की प्रतियां अंग्रेजी अनुवाद के साथ सरकार की उपयुक्त वेबसाइट पर अपलोड की जाएंगी। नीतियों के अस्तित्व के बारे में जानकारी देने का निर्देशशीर्ष अदालत ने 22 अक्टूबर के अपने आदेश में जेल अधीक्षकों और जेल अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया कि सभी दोषियों को इन नीतियों के अस्तित्व के बारे में जानकारी दी जाए। कोर्ट ने कहा कि राज्य के अधिकारियों को व्यापक कदम उठाने चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छूट के लिए योग्य दोषियों को पर्याप्त जानकारी हो और उनके मामलों पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाए। दिव्यांगजन अधिकार कानून के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ नेशनल ला स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरु के प्रोफेसर संजय जैन द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। जन्म से ही नेत्रहीन संजय दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता हैं। याचिका में कहा गया है कि केंद्र सरकार को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। कानून के अपर्याप्त कार्यान्वयन के कारण दिव्यांगों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। याचिका में दिव्यांगजन अधिकार कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की गई है।याचिका में विभिन्न रिपोर्टों का हवाला दिया गया है, जिसमें दिव्यांगता अधिकार फाउंडेशन और अन्य संगठनों की 2018 की संयुक्त रिपोर्ट भी शामिल है, जिसमें संकेत दिया गया है कि कई राज्यों ने अभी तक नियमों को अधिसूचित नहीं किया है।

झपट्टा मार गिरोह ने छीने तीन मोबाइल फोन

सुमेरपुर। बाइक सवार झपट्टामार गिरोह के सदस्यों ने रविवार को देर शाम तीन लोगों के राह चलते बीच बाजार में मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। पुलिस पीड़ितों को मुकदमा छीनने के बजाय कहीं गुम हो जाने में लिखने की बात कहकर भगा दिया है। रविवार की शाम करीब सात बजे झपट्टामार गिरोह के बाइक सवार बदमाशों ने कस्बा निवासी पवन कुमार गुप्ता, रूपेश अवस्थी तथा एक अन्य युवक का मोबाइल फोन राह चलते छीन लिया और मौदहा की ओर भाग निकले।युवकों ने शोर मचाया लेकिन कोई बाइक सवार बदमाशों को नहीं पकड़ सका। इस वारदात को बदमाशों ने पशु बाजार चौराहा से लेकर नेहा चौराहा के मध्य अंजाम दिया। पीड़ित तत्काल थाने पहुंचे और घटना से पुलिस को अवगत कराया।थाना प्रभारी राजवीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर बदमाशों की खोजबीन की लेकिन तब तक वह भाग गए थे। बाद में पुलिस ने पीड़ितों को यह कहकर थाने से टरका दिया कि वह मोबाइल गुम होने की सूचना दर्ज कराए छीनने की नहीं। पुलिस के इस रवैये से पीड़ित मायूस होकर घरों को लौट गए।

गाजियाबाद में 10वीं कक्षा की छात्रा से रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने किया दुष्कर्म, महंगे गिफ्ट का दिया लालच

गाजियाबाद, 05 नवंबर [एजेंसी]।

इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में 10वीं कक्षा की छात्रा से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना 24 अक्टूबर की बताई जा रही है। छात्रा के पिता की शिकायत पर इंदिरापुरम कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस साक्ष्य एकत्र कर कार्रवाई में जुटी है।इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र में एक व्यक्ति परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 15 वर्षीय बेटी क्षेत्र के नामी स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा है। उन्होंने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर शशांक यादव ने उनकी बेटी को लालच देकर महंगे गिफ्ट दिलाए। उसके साथ अश्लीलता की।24 अक्टूबर को घर में बेटी को अकेला देखकर पीछे के रास्ते आ गए। बेटी से दरिंदगी की। बेटी जैसे तैसे उनके चंगुल से छूटकर बाथरूम में गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद आरोपी वहां से गया। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस के अधिकारियों से की।सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि शशांक यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने एक्सटेंशन दो में मंगल पांडेय चौक के पास सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर के बेटे के फ्लैट में चल रहे देह व्यापार का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने उनके बेटे, ग्राहक और सरगना महिला को गिरफ्तार किया है। छह माह से फ्लैट में देह व्यापार चल रहा था। पुलिस ने दो मोबाइल और पांच हजार रुपये बरामद किए हैं।सोमवार को शालीमार गार्डन थाना पुलिस को सूचना मिली कि मंगल पांडेय चौक के पास एक्सटेंशन दो के एक फ्लैट में देह व्यापार हो रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा।

जहां से एक महिला सरगना, फ्लैट मालिक और एक ग्राहक को गिरफ्तार किया। दो युवतियों को मौके से रेस्क्यू कर उन्हें स्वजन को सौंपा गया।पुलिस सभी आरोपितों को पकड़कर थाने ले आई। पुलिस जांच में सामने आया है कि फ्लैट उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर के बेटे शाकिब का है। उसने फ्लैट को साढ़े आठ हजार रुपये में देह व्यापार कराने वाली महिला के साथी को किराये पर करीब छह माह पूर्व दिया था। महिला तभी से उसमें देह व्यापार करा रही थी। पकड़े गए आरोपित मौजपुर थाना जाफराबाद दिल्ली का रविकांत और मदनपुरी कालोनी थाना मंडी जनपद सहारनपुर का शाकिब है। शाकिब दिल्ली सीलमपुर में रहता है।

नर्सिंग छात्रा के मुंह में पहले कपड़ा ठूंसा, फिर युवक ने किया दुष्कर्म- पीड़िता बोली, कोल्ड ड्रिंक में नशा डालकर पिलाया

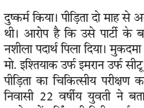

कल्याणपुर, 05 नवंबर [एजेंसी]।

निजी अस्पताल में देखरेख का काम करने वाली नर्सिंग छात्रा के मुंह में कपड़ा ठूंसकर रविवार देर रात अस्पताल के साझीदार ने दुष्कर्म किया। पीड़िता दो माह से अस्पताल की देखरेख का कार्य कर रही थी। आरोप है कि उसे पार्टी के बहाने रोका गया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिला दिया। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपित साझीदार मो. इश्तियाक उर्फ इमरान उर्फ सीटू को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है।मूलरूप से सचेंडी क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय युवती ने बताया कि वह शहर के एक मेडिकल कालेज में नर्सिंग की द्वितीय वर्ष छात्रा है। कल्याणपुर के निजी अस्पताल में दो माह से देखरेख का कार्य करती है। अस्पताल के साझीदार शिवली के सखरेज निवासी मो. इश्तियाक ने रविवार देर शाम उसे अस्पताल में पार्टी करने के बहाने रोक लिया।इसके बाद कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। देर रात सभी के चले जाने के बाद इश्तियाक उसे जबरिया कमरे में खींच ले गया। शोर मचाने पर मुंह में कपड़ा ठूंसकर दुष्कर्म किया। सुबह पीड़िता ने अपनी सहकर्मी को आपबीती बताई और कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शादी से पहले मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये नुस्खे, त्वचा भी निखरेगी

शादी का दिन दुल्हनों के जीवन का सबसे यादगार दिन होता है, जिस दौरान उन्हें त्वचा की खास देखभाल करनी होती है। हालांकि, त्वचा की देखभाल करने के बावजूद भी कई बार चेहरे पर मुंहासे आ जाते हैं, जो आत्मविश्वास को कम कर देते हैं।ऐसे में दुल्हनों को शादी से पहले मुंहासों से सुरक्षित रहने के लिए कुछ घरेलू उपचार अपनाने चाहिए।आज के शादी के टिप्स में जानिए होने वाली दुल्हनें मुंहासों से छुटकारा कैसे पा सकती हैं।

केमिकल एक्सफोलिएशन का लें सहारा

जब हमारी त्वचा अंदरूनी तौर पर अस्वस्थ होती है, तभी चेहरे पर मुंहासे निकलते हैं। ऐसे में त्वचा को स्वस्थ बनाने के लिए कई तरह के ट्रीटमेंट उपलब्ध होते हैं, जिनमें से आप केमिकल एक्सफोलिएशन का चुनाव कर सकती हैं।इसके लिए आपको सैलिसिलिक एसिड या ग्लाइकोलिक एसिड जैसे उत्पादों का इस्तेमाल करना होगा।ये तत्व त्वचा में प्रवेश करके मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाते हैं और मुंहासों की उपस्थिति को कम करके आपकी त्वचा को साफ करते हैं।

सेब के सिरके का करें इस्तेमाल

आप मुंहासों को दूर करने के लिए अपने चेहरे पर सेब का सिरका भी लगा सकती हैं।यह एक प्रभावी प्राकृतिक और घरेलू उपचार है, जिसके जरिए मुंहासे उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया का खात्मा हो जाता है।सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड जैसे कार्बनिक तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा को साफ करके मुंहासों से छुटकारा दिला सकते हैं। इस सिरके को पानी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर मुंह धो लें।

भूलकर भी न फोड़ें मुंहासें

अक्सर लोग चेहरे पर निकलने वाले दानों व मुंहासों को बिना सोचे-समझे फोड़ देते हैं। हालांकि, ऐसा करना खतरनाक हो सकता है, जिससे और मुंहासे निकलने की संभावना बढ़ जाती है।ऐसे में होने वाली दुल्हनों को भूलकर भी चेहरे पर निकले मुंहासों को फोड़ना नहीं चाहिए।इसके बजाय आप घरेलू नुस्खों का पालन कर सकती हैं, ट्रीटमेंट करवा सकती हैं या पिंपल पैच लगा सकती हैं।शादी से पहले दुल्हनें इन तरीकों से त्वचा की देखभाल कर सकती हैं।

टी-ट्री तेल से दूर होंगे दाग

टी ट्री तेल एक तरह का एसेंशियल ऑयल है, जिसके जरिए आप मुंहासों के दाग मिटा सकती हैं। अध्ययनों से सामने आया है कि इस तेल को त्वचा पर लगाने से मुंहासों का उपचार होता है।इसे इस्तेमाल करने के लिए एक कटोरी में टी ट्री तेल और पानी को मिलाएं। अब रुई की मदद से इसे मुंहासों पर लगाएं और कुछ देर सूखने दें।जब यह तेल सूख जाए, तो चेहरे को पानी से धो लें।

तनाव और चिंता को कम करें

शादी से पहले सभी दुल्हनों को तनाव और चिंता का अनुभव जरूर होता है। हालांकि, मानसिक शांति न होने पर स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है और चेहरे पर मुंहासे निकलने लगते हैं।ऐसे में अगर आप शादी के दिन चमकती हुई त्वचा चाहती हैं, तो अपने आपको तनावपूर्ण माहौल से दूर रखें। आप मन को शांत रखने के लिए ध्यान लगा सकती हैं या योग का सहारा ले सकती हैं।

जूनियर एनटीआर की देवरा अब ओटीटी पर मचाएगी धमाल, 8 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम

जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर देवरा: पार्ट 1, 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म का काफी बज था और इसने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत भी की थी लेकिन इसके बाद इसकी कमाई का ग्राफ गिरता चला गया. ओवरऑल देवरा: पार्ट 1 उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म नहीं कर पाई. इस बीच, देवरा अब ओटीटी पर रिलीज के लिए तैयार है. चलिए जानते हैं ये फिल्म ओटीटी पर कब और कहां दस्तक देगी?

जूनिएयर एनटीआर की देवरा: पार्ट 1 को जो लोग थिएटर में नहीं देख पाए उनके लिए गुड न्यूज है. दरअसल ये फिल्म थिएट्रिकल रिलीज के बाद अब ओटीटी प्रीमियर की तैयारी कर रही है. बता दें कि देवरा: पार्ट 1 8 नवंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है. स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने सभी भाषाओं में फिल्म के डिजिटल राइट्स हासिल कर लिए हैं, इस प्रकार, यह हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम में डिजिटल रूप से स्ट्रीमिंग होगी.

देवरा: पार्ट 1 काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. और इसने इसने सभी भाषाओं को मिलाकर करीब 74 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ बंपर ओपनिंग भी की थी. जिसके बाद लग रहा था कि ये फिल्म टिकट खिड़की पर सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर देगी. हालांकि दूसरे ही दिन से फिल्म की कमाई में गिरावट आती चली गई और इसी के साथ ये फिल्म कमाई के मामले में काफी पिछड़ गई. देवरा: पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर औसत कारोबार किया है.

हालांकि इस फिल्म को उसकी भव्यता, ट्रीटमेंट और वीएफएक्स के लिए काफी सराहा गया है. फिल्म के एक्टर्स की काफी तारीफ हुई लेकिन देवरा: पार्ट 1 की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस निराशाजनक रही. फिल्म का अब तक का कुल कलेक्शन 343 करोड़ रुपये है.

आरआरआर के बाद यह एनटीआर की पहली सोली रिलीज़ थी. वहीं जूनियर एनटीआर ने देवरा को अच्छा रिस्पॉन्स ना मिलने पर दर्शकों को जिम्मेदार ठहराया था. बता दें कि जूनियर एनटीआर अब रितिक रोशन और कियारा आडवाणी के साथ वॉर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे.

हुमा कुरैशी की मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज मिथ्या: द डार्कर चैप्टर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह 2022 में आई मिथ्या की दूसरी किस्त है। हुमा एक बार फिर जूही अधिकारी बन दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी।अब निर्माताओं ने मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो सस्पेंस से भरपूर है और इसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।मिथ्या: द डार्कर चैप्टर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

मिथ्या: द डार्कर चैप्टर का प्रीमियर 1 नवंबर, 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर होने जा रहा है।जी5 ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, क्या होगा जब आपके अतीत के रहस्य आपके वर्तमान को परेशान करने के लिए वापस आएंगे? जूही को यह पता चलने वाला है।इस सीरीज में हुमा के अलावा अवंतिका दासानी, नवीन कस्तूरिया, रजित कपूर, इंद्रनील सेनगुप्ता और कृष्णा बिष्ट जैसे सितारे भी नजर आएंगे। कपिल शर्मा ने इस वेब सीरीज का निर्देशन किया है।

इस बारे में बात करते हुए हुमा ने एक बयान में कहा, मैं मिथ्या की वापसी से रोमांचित हूं। इस शो ने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपने एक अलग पक्ष को तलाशने के लिए प्रेरित किया है - एक ऐसा व्यक्ति जो परिस्थितियों के कारण कमजोर और प्रतिशोधी है। मैं इस रोमांचक, दमदार भूमिका के लिए मेरे बारे में सोचने के लिए निर्माताओं का आभारी हूं और अपने किरदार के जीवन के अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

अवंतिका ने साझा किया, यह शो मेरा पहला शो था, और इसने मेरे लिए व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह से बहुत कुछ बदल दिया है। मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं, और सबसे कम उम्र की होने के नाते, मैंने पूरी कास्ट से बहुत कुछ सीखा है। रिया एक जटिल और दिलचस्प किरदार है, और यह सीज़न उसके सफ़र को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है क्योंकि वह बदला और विश्वासघात से जूझती है।

नवीन ने नए सीज़न के बारे में बात की और कहा, इतने सफल पहले सीज़न वाले शो का हिस्सा बनना एक खुशी और ज़िम्मेदारी दोनों है, और मैं इसे निभाने के लिए उत्साहित हूं। यह भूमिका मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी किरदार से अलग है - यह दर्शकों के लिए कुछ नया और दिलचस्प है। मैं हुमा कुरैशी और रजित कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने को लेकर खास तौर पर रोमांचित हूं, दोनों ही बेहतरीन कलाकार हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने में मुझे बहुत मज़ा आया।

अनीस बज्मी संग अजय देवगन की फिल्म नाम का एलान

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म नाम 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इसे भूल भुलैया के निर्देशक अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है. हलचल, प्यार तो होना ही था और दीवानगी के बाद यह अजय के साथ बज्मी की चौथी फिल्म होगी. नाम के मेकर्स ने फिल्म के पोस्टर के साथ इसकी अनाउंसमेंट की. पहले माना जा रहा था कि फिल्म 2022 में रिलीज होगी. हालांकि, कई बार टलने के बाद, फिल्म अब 22 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नाम एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है जिसमें एक व्यक्ति अपनी याददाश्त खो देता है और अपनी पहचान खोजने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है. फिल्म की शूटिंग स्विट्जरलैंड और मुंबई में हुई है. इस फिल्म में पहले प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन उन्होंने पीछे हटकर अपनी जगह समीरा रेड्डी को ले लिया. नाम में भूमिका चावला भी हैं. इस फिल्म का निर्माण अनिल रूंगटा ने किया है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- अजय देवगन - अनीस बज्मी: नाम 22 नवंबर को रिलीज होगी, अनाउंसमेंट पोस्टर लॉन्च।

यूरिन की कुछ बूंदों से कैसे लगता है प्रेग्नेंसी का पता, ये वाला केमिकल होता है रिलीज

गर्भावस्था के दौरान टॉयलेट टेस्ट के नमूने में ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी), गर्भावस्था के दौरान एक खास तरह का हार्मोन बनता है कि इसके जरिए का पता गर्भावस्था का पता लगा सकते हैं. गर्भावस्था टेस्ट का उपयोग करते समय कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए. आप अपने पेशाब या खून में एचसीजी पा सकते हैं. एचसीजी को आपके शरीर में बनने में समय लगता है. गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में हर दिन आपका शरीर ज़्यादा एचसीजी बनाएगा. जैसे-जैसे सप्ताह बीतते जाएंगे, आपके शरीर में ज़्यादा से ज़्यादा एचसीजी बनता जाएगा. जिससे प्रेगनेंसी टेस्ट के पॉज़िटिव आने की संभावना बढ़ जाएगी.

परीक्षण कब करें

गर्भावस्था के शुरुआती दिनों में शरीर में एचसीजी की मात्रा तेजी से बढ़ती है, हर 2-3 दिनों में दोगुनी हो जाती है. सटीक परिणाम की संभावना बढ़ाने के लिए, परीक्षण करने के लिए मासिक धर्म छूटने के एक या दो दिन बाद प्रतीक्षा करें.

सटीकता

गलत नकारात्मक संभव है, लेकिन असंभव है, जब तक कि टॉयलेट टेस्ट की शोषक पट्टी पर है. यदि आप छूटे हुए परिणाम के बारे में चिंतित हैं, तो आप एक और परीक्षण कर सकते हैं. ओव्यूलेशन का समय, अनियमित मासिक धर्म चक्र, और जब एक निषेचित अंडा प्रत्यारोपित होता है, गर्भावस्था परीक्षण की सटीकता को प्रभावित कर सकता है.

गर्भावस्था का पता लगाने के लिए कुछ प्राकृतिक तरीकों में शामिल हैं

गेहूं और जौ परीक्षण

सुबह में गेहूं और जौ के अलग-अलग कंटेनरों में टॉयलेट डालें, और अंकुरित होने के लिए कुछ दिनों के लिए छोड़ दें. अगर अनाज अंकुरित हो जाए, तो पारंपरिक तौर पर माना जाता है कि यह गर्भावस्था का संकेत है.

एक गिलास में एक बड़ा चम्मच एंटीसेप्टिक तरल डालें और उसमें तीन बड़े चम्मच मूत्र डालें. पांच से सात मिनट तक निरीक्षण करें.

वाइन परीक्षण

टॉयलेट को एक साफ कंटेनर में इकट्ठा करें, एक साफ कटोरे में थोड़ी मात्रा में वाइन डालें और वाइन में टॉयलेट की कुछ बूंदें डालें. अगर वाइन का रंग बदल जाता है, तो यह गर्भावस्था का संकेत हो सकता है.

अनुष्का सेन ने समझाया फैशन का मतलब है अभिव्यक्ति

अभिनेत्री अनुष्का सेन के लिए फैशन के मायने स्टाइलिश कपड़ों से कहीं बढ़कर है। उनके हिसाब से यह खुद को व्यक्त करने का तरीका है।

नव्या नंदा के एंटरप्रेनारी और अबू संदीप के गुलाबो द्वारा आयोजित फैशन शो में अनुष्का ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने अपने लुक को फ्री-फ्लोइंग बोहेमियन श्रग से पूरा किया।

अनुष्का ने कहा, मैं एंटरप्रेनारी बाय नव्या नंदा और गुलाबो बाय अबू संदीप शोकेस के लिए पहली बार रैंप पर चलने को लेकर उत्साहित थी और इनकी आभारी भी हूं। मेरे लिए फैशन कपड़ों से इतर है। यह अपने आप को व्यक्त करने का अच्छा तरीका है यानि ये बताने का कि हम कौन हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि वह सही अवसर और पल का इंतजार कर रही थीं।

उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम एक सपने के सच होने जैसा था, खासकर इसलिए क्योंकि यह महिला उद्यमियों की मदद करने के लिए था। इसका एक और कारण भी था और वो था अबू जानी संदीप खोसला के लिए वॉक करना, जो मेरे पसंदीदा डिजाइनर्स हैं।

अनुष्का ने अमिताभ बच्चन की पोती नव्या के साथ अपनी मुलाकात को एक शानदार अनुभव बताया।

मैंने पूरे दिल से उस पल को अपनाया और उस अद्भुत अवसर के लिए मैं आभारी हूं। नव्या से मिलना मेरे लिए एक शानदार अवसर था। इस महीने की शुरुआत में अनुष्का ने सोशल मीडिया पर दुर्गा पूजा से एक शानदार फोटो शेयर की थी। वह साड़ी और बड़े झुमके में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने साड़ी में अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसका शीर्षक था, दुर्गा पूजा 2024। अनुष्का सेन एक भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री हैं, जिन्हें बाल कलाकार के तौर पर काफी लोकप्रियता मिली। उन्हें हाल ही में दक्षिण कोरियाई पर्यटन के लिए आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है।

भूल भुलैया 3 पहले दिन ही हुई खूब मालामाल, बॉक्स ऑफिस पर बम्पर शुरुआत

इस साल कई शानदार हॉरर-कॉमिडी फिल्मों की लिस्ट में अब एक और फिल्म शामिल हो गई है। साल के आखिर महीनों में दिवाली पर रिलीज हुई भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। मुंज्या और स्त्री 2 जैसी फिल्मों के बाद अब तीसरी फिल्म भूल भुलैया 3 भी सिनेमाघरों में काफी धमाल मचाने जा रही है। इस फ्रैंचाइजी की दोनों फिल्मों को लोगों ने खूब पसंद किया है। पहली भूल भुलैया में मंजुलिका का किरदार निभा चुकीं विद्या बालन दूसरी सीरीज में नजर नहीं आई थीं। अब वह इस तीसरी फिल्म में एक बार फिर से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। कहा जा रहा है कि मंजुलिका ही इस फिल्म की जान हैं।सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने शानदार एडवांस बुकिंग की। दिवाली के दिन फाइनली जब फिल्म रिलीज हुई तो इसने करीब-करीब 35.50 करोड़ रुपये की धमाकेदार कमाई कर डाली है। ये कलेक्शन भूल भुलैया की पिछली दोनों फिल्मों की तुलना में काफी ज्यादा है। वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो ये आंकड़े अभी आने में कुछ समय बाकी है।

शब्द सामर्थ्य -225

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

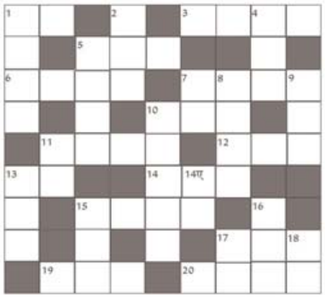

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 224 का हल

खा	म	खां			ई			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नी	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

कलेक्टर ने कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

15 विभागों के 55 अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय पर थे अनुपस्थित, सभी को जारी को हुआ कारण बताओ नोटिस

कोरिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने सुबह साढ़े दस बजे कलेक्टोरेट परिसर स्थित कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, नगर निवेश, जिला साक्षरता मिशन अभिकरण, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, खाद्य विभाग, श्रम विभाग, जिला आबकारी कार्यालय, स्थानीय निर्वाचन, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, भू-अभिलेख शाखा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय एवं स्थापना शाखा सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। करीब 15 विभागों के 55 अधिकारी- कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित कर्मियों का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के प्रतिकूल होकर शासनादेश एवं कार्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है। इन सभी कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी कर्मियों को निर्धारित कार्यालयीन समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारियों का यह दायित्व है, कि वे निर्धारित समय में अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रह कर शासकीय कार्य का संपादन करे तथा राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे ताकि आम जनता को उसका समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

एसआई भर्ती: चयनित अभ्यर्थियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने दी शुभकामनाएं

सूरजपुर। हाल ही में एसआई परीक्षा परिणाम जारी किए गए है जिसमें सूरजपुर जिले के कई अभ्यथियों का चयन हुआ है जो सूरजपुर जिले के लिए बड़े ही गर्व की बात है। सोमवार, 04 नवम्बर 2024 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने चयनित हुए सूरजपुर के अभ्यर्थी राहुल गौतम, ज्योति सिंह पुहुप, कमलेश्वर प्रजापति, अनूक साय एवं साईबर सेल में पदस्थ आरक्षक संतलाल यादव को एसआई में सलेक्ट होने पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना दी और उन्हें मार्गदर्शन भी दिया।

इस अवसर पर एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अभ्यर्थियों की मेहनत को सराहा और कहा कि आपके बुलंद हौसले और मुकाम हासिल करने के जज्बे से ही आपको सफलता मिली है। ट्रेनिंग के दौरान आने वाली समस्या एवं निदान के बारे में जानकारी साझा किया। उन्होंने कहा कि सब इंस्पेक्टर से भर्ती होकर आप वरिष्ठ पदों तक जा सकते हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश में बेहतर कार्य दक्षता का प्रदर्शन करेंगे तो आपको पुलिस विभाग में अच्छा पहचान मिलेगा।

भकुरा गांव की झाड़ियों के पास मिला मोर्टार बम,जांच में जुटी पुलिस

रामानुजंगज। अंबिकापुर-रामानुजंगज रोड पर शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम भकुरा में मोर्टार बम मिला है। गांव के सरकारी स्कूल के समीप झाड़ियों के पास सोमवार को यह बम दिखा।पुलिस की डायल 108 टीम सबसे पहले वहां पहुंची। सुरक्षागत कारणों से वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। आसपास लोगों को नहीं जाने की भी सलाह दी गई। अंबिकापुर से बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) को भी घटनास्थल भेजा गया। बम निरोधक दस्ता जांच में लगी हुई है। सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के साथ बीडीएस टीम जांच में लगी है। जिस स्थान पर मोर्टार बम मिला है उससे तकरीबन तीन-चार किलोमीटर दूर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का ट्रेनिंग सेंटर केपी अजिरमा गांव की पहाड़ियों पर स्थित है लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। बहरहाल यह पहला मामला है जिसमें सरगुजा के किसी गांव में बम मिला हो,इसलिए पुलिस बारीकी से छानबीन में लगी हुई है।

बोलेरो की टक्कर से सड़क पर गिरे युवक को ट्रक ने कुचला

अंबिकापुर। बनारस मार्ग पर चठिरमा गोदाम के समीप सोमवार दोपहर में सड़क हादसे में मोटरसाइकिल चालक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम अजबनगर निवासी राकेश राय के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि राकेश राय मोटरसाइकिल से अजबनगर की ओर से काम करने आ रहा था। चठिरमा गोदाम के समीप सामने से आ रही बोलेरो के चालक ने उसे टक्कर मार दी। बोलेरो की टक्कर से वह छिटक कर सड़क पर गिर गया। उसी दौरान एक ट्रक आ गई। ट्रक के पहिए के नीचे आ जाने के कारण वह कुचल गया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

मैनपाट में पेड़ से टकराई मोटरसाइकिल,दो दोस्तों की मौत

अंबिकापुर। मैनपाट में अनियंत्रित मोटरसाइकिल के पेड़ से टकरा जाने के कारण दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों मैनपाट घूमने आए थे। एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि दूसरे युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कापू थाना क्षेत्र के ठाकुरपोड़ी निवासी एंथ्रेस किस्पोट्टा (20) रविवार को गांव के ही गोपाल चक्रधारी के साथ मोटरसाइकिल से घूमने के लिए में मैनपाट आए थे। मैनपाट के कुनिया मार्ग में उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। घटना में एंथ्रेस किस्पोट्टा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। गोपाल चक्रधारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। मैनपाट में प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कालेज अस्पताल लाया गया था।यहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

सभी अधिकारी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाएं

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर द्वय श्रीमती शिवानी जायसवाल और श्रीमती चांदनी कंवर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए आमजनों के राजस्व सहित अन्य समस्याओं एवं विभिन्न प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करने के लिए कहा।

झारखंड में मिली लाश रीना की,भाई ने की पहचान

बलरामपुर। पुलिस थाना बलरामपुर में गुरुचंद मंडल की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। झारखंड के गढ़वा से लगे कोयल नदी में 30 सितंबर को मिली लाश मृतक गुरुचंद मंडल की पत्नी रीना मंडल की थी। मृतका के भाई बदला गिरी ने मृतका की पहचान अपनी बहन के रूप में कर दी है। उनका आरोप है कि रीना का अपहरण कर हत्या किया गया था। साक्ष्य छिपाने के लिए शव को गढ़वा के नजदीक नदी में फेंक दिया गया था। उसके दोनों हाथ बंधे थे तथा सिर में चोट के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर में आई चोट को ही मौत का कारण बताया गया है।

मृतका रीना मूलत: सरगुजा जिले के बतौली थाने के ग्राम झेराडीह की रहने वाली थी। बलरामपुर के ग्राम सन्तोषीनगर निवासी गुरुचंद मंडल से विवाह के बाद वह ससुराल में ही रहती थी। बीते 29 सितंबर की शाम से वह लापता थी। उसी रात पति ने बलरामपुर थाने में इसकी सूचना दी थी। रीना के अपहरण और हत्या के मायके पक्ष के आरोप को देखते हुए बलरामपुर पुलिस ने पति व ससुर को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। पूछताछ के दौरान ही पति गुरुचंद मंडल की मौत हुई थी।

पुलिस ने थाने में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिए जाने का आरोप लगाया था। पुलिस अभिरक्षा में हुई मौत के बाद बलरामपुर में तनाव का माहौल निर्मित हो गया था। दो दिनों तक बलरामपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित हुई थी।बलरामपुर थाने में तोड़फोड़ और पथराव की घटना ने राजनीतिक रंग लेना शुरू कर दिया था। कांग्रेस ने पूरे घटनाक्रम पर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश की थी। अब मामले में नया मोड़ ले लिया है। रीना की मौत की पुष्टि हो जाने के बाद बलरामपुर पुलिस की जांच की दिशा भी बदल जाएगी। बताया जा रहा है कि 29 सितंबर को रीना लापता हुई थी। अगले दिन 30 सितंबर को गढ़वा के कोयल नदी में महिला की लाश मिली थी। गढ़वा पुलिस द्वारा स्थानीय स्तर पर पहचान करने की कोशिश की गई लेकिन पहचान नहीं हो पाने के कारण किसी स्वयं सेवी संस्था के माध्यम से महिला के शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। बीते एक नवंबर को गढ़वा पुलिस की ओर से बलरामपुर पुलिस को सूचना दी गई थी।गढ़वा में महिला की लाश मिलने की जानकारी पर बलरामपुर पुलिस ने संभावना के आधार पर रीना के मायके पक्ष को सूचित किया था। रीना के भाई बदला गिरी व अन्य रिश्तेदार बलरामपुर पुलिस के साथ गढ़वा गए थे। यहां झारखंड पुलिस ने मृतका की तस्वीर और अन्य सामान दिखाए। इसके आधार पर रीना के भाई ने उसकी पहचान कर ली है। रीना का शव मिलने के लगभग एक महीने बाद बलरामपुर पुलिस को सूचना मिलने पर सवाल उठ रहे हैं।

बलरामपुर, झारखंड के गढ़वा जिले से लगा हुआ है। रीना की खोजबीन में बलरामपुर पुलिस गढ़वा भी गई थी उसके बाद भी एक महिला का शव मिलने की जानकारी बलरामपुर पुलिस को नहीं मिल सकी। रीना के भाई ने अपहरण और हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के मायके पक्ष के लोगों का दुख यह है कि पुलिस अभिरक्षा में गुरुचंद मंडल की मौत के बाद नेता,मंत्री से लेकर अधिकारियों ने सक्रियता दिखाई। उनके परिवार की बेटी चली गई लेकिन कोई पूछने तक नहीं आया। रीना के लापता होने की घटना को लोगों ने भुला दिया।अब तो उसकी लाश भी मिल गई है। उन्होंने पूरे मामले में ससुराल पक्ष के लोगों की भूमिका पर सवाल उठा निष्पक्ष ,त्वरित जांच के साथ न्याय की मांग की है।

अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड के राज्योत्सव कार्यक्रम के संगीत संध्या में घनश्याम महानंद एवं स्तुति जायसवाल देंगे मनमोहक प्रस्तुति

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस समारोह 2024 के अवसर पर जिले के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। 05 नवंबर मंगलवार को 04 बजे से कार्यक्रम का आयोजन होना है।

रंगारंग कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए सुप्रसिद्ध लोक पार्श्व गायक श्री घनश्याम महानंद एवं सुश्री स्तुति जायसवाल भी कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। कला जगत में श्री घनश्याम महानंद को ब्लैक डायमंड के नाम से जानते हैं। आडियो विडियो में लगभग 500 गीतों में अपनी आवाज दे चुके है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी, हिन्दी, हल्बी, गोंडी, उडिया, संबलपुरी तथा भोजपुरी भाषाओं में गीत गाया है। कई राष्ट्रीय स्तर के टी.वी. चौनलों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी है। वर्तमान में सोशल मिडिया प्लेटफार्म, यूट्यूब के माध्यम से लगातार छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोक परम्पराओं से जुड़े गीत संगीत की प्रस्तुति कर रहे है। लोक गीत के अलावा गजल, भजन, सुफी, गायकी में भी अपनी छाप छोड़ चुके है। मैनपाट महोत्सव, राजिम महोत्सव, भोरमदेव महोत्सव, बारसुर महोत्सव, अरपा महोत्सव, चित्रकुट महोत्सव, तातापानी महोत्सव, ज्वाजल्य देव महोत्सव एवं राज्योत्सव जैसे सम्मानित मंचों में अपनी प्रस्तुति दे चुके है। श्री घनश्याम महानंद की विशेषता रही है कि अपने गीतो में उनके द्वारा आमजन को जागरूक करने के लिए सम सामायिक विषय व सामाजिक मुद्दो पर जैसे कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति, छत्तीसगढ़ी भाषा को बढ़ावा देने वाले गीतों को व अपने संगीत में स्थान देते है। इसके साथ ही मंच में सुश्री स्तुति जायसवाल के द्वारा भी संगीत संध्या में अपनी मधुर आवाज से गीतों की प्रस्तुति की जाएगी। सुश्री स्तुति जायसवाल यंग स्टार (2017) की विनर रह चुकी है। उन्होंने लव मी इंडिया (2018) में भाग लिया था, जिसमें वह रनअप थी। इसके साथ ही उनके द्वारा माता मावली मेला, मैनपाट, कुदरगढ़, रामगढ़, तातापानी महोत्सव इत्यादि में भी कला का प्रदर्षन किया है। बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी (कार्यक्रम की अध्यक्षता), प्रतापपुर विधायक श्रीमती शंकुतला पोर्ते (विशिष्ट अतिथि) एवं अन्य सम्माननीय जनप्रतिनिधि व अतिथिगण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कलेक्टर ने टीएल बैठक लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

सूरजपुर। समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने जिले धान उपार्जन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बारदाने की उपलब्धता, भंडारण एवं धान खरीदी समितियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पी डब्लू डी अंतर्गत जिले में किए जा रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की जानकारी ली गई । उन्होंने सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य को जल्द से जल्द गुणवत्ता पूर्ण रूप में करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जलजीवन मिशन की अंतर्गत जिले में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने सभी सीएमओ, एल डी एम सूरजपुर एवं संबंधित अधिकारियों को पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा योजना को बेहतर रूप में लागू करने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके।

क्रिश्चियन राष्ट्रीय मोर्चा के कार्यक्रम के विरोध में उतरे माता राजमोहिनी के अनुयायी

अंबिकापुर। अंबिकापुर के माता राजमोहिनी देवी भवन में क्रिश्चियन राष्ट्रीय मोर्चा के छह नवंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम का विरोध शुरू हो गया है। पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के अनुयायियों व गोंड समाज से जुड़े लोगों ने प्रशासन से ईसाई समाज के कार्यक्रम को निरस्त करने की मांग की है। पद्मश्री माता राजमोहनी देवी के अनुयायियों ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के माध्यम से मतांतरण को प्रोत्साहन मिलेगा। यह माता राजमोहिनी देवी के विचारों के विपरीत है। उन्होंने जीवन भर मतांतरण का विरोध किया था,अब उन्हीं के नाम के भवन में इस तरह का आयोजन उन्हें स्वीकार नहीं है। सोमवार को भजन -कीर्तन करते हुए माता राजमोहिनी देवी के अनुयायी बड़ी संख्या में कलेक्टोरेट अंबिकापुर पहुंचे थे। इसमें सूरजपुर,बलरामपुर के अलावा सरगुजा जिले के अनुयायी और गोंड समाज के प्रतिनिधि शामिल थे। सभी ने कार्यक्रम का विरोध करते हुए कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। कलेक्टोरेट में उन्होंने माता राजमोहिनी देवी के प्रिय भजन राम भजो भाई का लयबद्ध तरीके से गायन भी किया। गोंड समाज के जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह ने बताया कि छह नवंबर को ईसाई समाज द्वारा क्रिश्चियन राष्ट्रीय मोर्चा के बैनर तले राज्य स्तरीय कार्यक्रम अंबिकापुर के माता राजमोहिनी देवी भवन में आयोजित किया जा रहा है। यह क्षेत्र मतांतरण के लिए संवेदनशील हैं। इसके बाद भी ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय आदिवासियों को मतांतरण के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा सकता है। माता राजमोहनी देवी ने हमेशा मतांतरण का विरोध किया। अपने अनुयायियों को उनके मौलिक अधिकारों और मूल धर्म के प्रति जागरूक किया।उनके नाम को चिरस्थाई बनाए रखने अंबिकापुर एक शासकीय भवन का नामकरण किया गया है। उनके नाम के भवन में इस प्रकार का आयोजन करना माता राजमोहिनी देवी के विचारों व जीवन आदर्शों का अपमान है। माता राजमोहिनी देवी गांधीवादी विचारधारा वाली एक समाज सेविका थी जिन्होंने बापू धर्म सभा आदिवासी मंडल की स्थापना की। 1951 के अकाल के समय गांधीवादी विचारधारा व आदर्शों से प्रभावित होकर इन्होंने एक जन आंदोलन चलाया था। उन्होंने अंधविश्वास, मदिरापान, मतांतरण के विरुद्ध समाज को जागृत किया था। सदाचार और शाकाहार का संदेश देने वाली माता राजमोहिनी देवी ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया था। उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। छत्तीसगढ़ के अलावा झारखंड में उनके लाखों लाख अनुयायी हैं।उनके नाम पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित माता राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय व अनुसंधान केंद्र, माता राजमोहनी देवी स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय तथा माता राजमोहिनी देवी भवन अंबिकापुर में स्थित है।

बेखौफ बदमाशों ने पार्षद के घर किया हमला आरोपितों का पुलिस ने निकाला जुलूस

अंबिकापुर। शहर में गुंडा, बदमाशों पर पुलिस का कोई भय नहीं रह गया है। शहर में बेख़ौफ बदमाशों ने गुंडागर्दी की सारी हदें पार करते हुए चांदनी चौक स्थित कांग्रेस पार्षद सतीश बारी के घर पर हमला कर दिया। लाठी-डंडे और हथियारों से लैस बदमाशों ने जमकर तोड़फोड़ की। घटना की खबर लगते ही बड़ी संख्या में लोग पार्षद निवास पहुंच गए। कानून-व्यवस्था की उतपन्न हुई स्थिति और तनाव के बाद पुलिस ने रात में ही तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। रात में ही आइजी अंकित गर्ग व पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने पार्षद के घर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। आरोपितों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया।शहर में अपनी उपस्थिति का एहसास कराने के लिए सोमवार को पुलिस ने तीनों आरोपितों का जुलूस निकाला। गुंडागर्दी पाप है,पुलिस हमारी बाप है का नारा लगाते आरोपित हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए शहर से पैदल ही गुजरे।

घटना की शुरूआत रविवार रात को हुई। पार्षद सतीश बारी अपने घर पर ही थे। उसी दौरान आरोपित गणेश कोरवा ने शराब दुकान में उसके साथ हुए विवाद में साथ देने कहा। पार्षद द्वारा इंकार करने पर विवाद कर चला गया। इधर पार्षद घर से शिकायत करने थाने गए थे।उसी दौरान आरोपित ने अपने साथियों के साथ आकर घर में हमला कर दिया। इस दौरान की घर में महिलाएं व छोटे-छोटे बच्चे ही थे। आरोपितों ने घर पर जमकर तोड़फोड़ की। घटना की खबर लगते ही बड़ी संख्या में लोग पार्षद निवास में जुट गए। आरोपितों के घर की ओर भीड़ बढ़ने लगी। मामले में पुलिस ने हस्तक्षेप किया। भीड़ को समझाइश देकर रात में ही गणेश कोरवा उर्फ गोलु (26) मायापुर, रितेश पाण्डेय (28) चांदनी चौक मायापुर शास्त्री आटो मोबाईल के पास व प्रभु साहु (26) चांदनी चौक को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना के बाद बड़ी संख्या में कांग्रेसजन घटनास्थल और कोतवाली थाने पहुंच गए थे । कांग्रेसियों ने घटना पर कड़ी नाराजगी जताते हुए शहर में बिगड़ी कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। घटना में शामिल कुछ आरोपित फरार हैं। उनकी तलाश जारी है। अंबिकापुर शहर में पिछले कुछ दिनों से असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी है। युवाओं का समूह लगातार किसी न किसी क्षेत्र में गैंगवार की तर्ज पर मारपीट कर रहा है। लगातार हो रही घटनाओं से शहर का माहौल अशांत होता जा रहा है। रविवार की रात शहर के चांदनी चौक में जिस तरीके से बदमाशों ने खुलेआम गुंडागर्दी की वह इस शहर के लिए शुभ संकेत नहीं है। ऐसे असामाजिक और आपराधिक तत्वों के विरुद्ध अब सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगी है। हमलावरों के विरुद्ध थाने में कई अपराध भी पंजीकृत है लेकिन सख्त कार्रवाई नहीं होने से इनका मनोबल इतना बढ़ा है कि अब ये जनप्रतिनिधि के घर पर भी हमला करने लगे हैं। अंबिकापुर शहर में महीनों बाद अपराधियों का जुलूस निकाला गया। यह साधारण जुलूस नहीं था।कोतवाली थाने से लेकर घड़ी चौक तक शहर के मुख्य मार्ग से तीनों हमलावरों को पैदल ले जाया गया।इस दौरान हाथ जोड़ हमलावर नारा लगा रहे थे कि गुंडागर्दी पाप है, पुलिस हमारी बाप है।

महाआरती पर संग्राम, अनुमति में पेंच अड़ाने पर छोड़ा अन्न-जल

कार्तिक पूर्णिमा पर हसदेव घाट में होना है आयोजन

कोरबा। क्या कार्तिक पूर्णिमा को यहां के हसदेव घाट पर महाआरती हो भी सकेगी? यह सवाल पिछले कुछ दिनों से हर किसी के मस्तिष्क में कौंध रहा है। लंबे समय से हसदेव घाट की सफाई के साथ यहां अमावस्या और पूर्णिमा को अनुष्ठान के साथ महाआरती करने वाले पक्ष को स्थानीय प्रशासन ने इस पूर्णिमा पर आयोजन की अनुमति नहीं दी। जबकि दूसरे पक्ष के लिए उदारता दिखाई। इसी मसले को लेकर संग्राम छिड़ा हुआ है। नमामि हसदेव के संयोजक रणधीर पांडेय ने आज से मुद्दे को लेकर अन्न-जल का त्याग कर दिया है। इससे अफसरों की मुश्किलें बढ़ गई है।

अविरल और निर्मल गंगा की तर्ज पर क्षेत्रीय नदियों के संरक्षण को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में प्रयास चल रहे हैं। इसी अवधारणा के अंतर्गत नमामि हसदेव ने बीते वर्षों में कोरबा जिले में हसदेव नदी की सफाई के साथ लोगों को धार्मिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में जोड़ा। समय के साथ लोगों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई और अभियान को गति मिली। इन प्रयासों को

आगे बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक रूप से नमामि हसदेव संगठन ने इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर हसदेव घाट पर बड़ा आयोजन करना घोषित किया। इसके लिए तैयारी पहले से ही है और आयोजन को लेकर उसका दावा भी मजबूत है। औपचारिकताओं के अंतर्गत नमामि हसदेव के द्वारा आयोजन को लेकर स्थानीय प्रशासन को समय से पहले आवेदन दिया गया। खास बात यह है कि नमामि हसदेव के कार्तिक पूर्णिमा के दिन होने वाले अनुष्ठान और देव दिवाली के लिए अनुमति नहीं दी गई। इसके पीछे अजीब तर्क दिए जा रहे हैं। खबर के मुताबिक एक अन्य संगठन को लेकर नीति कुछ अलग रखी गई है। विरोध इसी बात का है। अधिकारी की ओर से ढुलमूल व मनमाने रवैये से नाराज होकर नमामि हसदेव ने कड़ा एतराज जताया है। उसके संयोजक रणधीर पांडेय ने कार्तिक पूर्णिमा से संबंधित आयोजन को अनुमति नहीं दिए जाने के विरोध में मंगलवार को अन्न-जल का त्याग कर दिया है। उन्होंने बताया कि निजी स्वार्थों के लिए कुछ लोग इस कार्यक्रम का विरोध कर रहे हैं। उनकी सद्बुद्धि के लिए आज से लक्ष्मी नारायण महायज्ञ शुरू किया गया है। इसके साथ ही हसदेव महाआरती की अनुमति प्राप्त होने और अनुष्ठान पूर्ण होने तक वे अन्न ग्रहण नहीं करेंगे।

घाट की सफाई और आरती एक वर्ष से

बताया गया कि नमामि हसदेव के द्वारा विगत वर्ष से मां सर्वमंगला घाट कोरबा पर प्रत्येक मास की पूर्णिमा को हसदेव आरती और प्रत्येक माह की तृतीय रविवार को घाट की सफाई का सिलसिला शुरू किया गया है। इसके पीछे हमारा उद्देश्य हसदेव को हर हाल में निर्मल, पावन बनाने के साथ-साथ लोगों को नदियों के जल को साफ-सुथरा बनाते हुए घाटों को व्यवस्थित रखने में अपनी भूमिका निभाने हेतु जोड़ना है। लेकिन कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए नमामि हसदेव के कार्तिक मास में आयोजित लक्ष्मी नारायण महायज्ञ 13, 14 और 15 नवंबर एवं 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर हसदेव महाआरती का विरोध कर रहे हैं। इसके चलते एसडीएम से इस आयोजन की अनुमति प्राप्त नहीं हुई है। इससे असंख्य लोगों की भावनाएं आहत हो रही है। कई स्तर पर इस मामले को लेकर विभिन्न संगठनों ने प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाई है और जिला अधिकारी से हस्तक्षेप करने को कहा है। लोगों का कहना है कि हसदेव की सफाई के लिए जो संगठन लंबे समय से लगा हुआ, कार्तिक पूर्णिमा पर उसकी भूमिका के बारे में निश्चित तौर पर भरपूर ध्यान रखा जाना चाहिए।

वन भूमि पर कब्जा करने की होड़

कोरबा। ग्राम चाकामार गोढ़ी अंछीमार दलदली आदि ग्राम वन अंचल क्षेत्र है। वन अंचल होने के कारण वनों का कटाई व वन भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। धीरे-धीरे जंगल साफ होते जा रहा है। वन व जमीन तस्कर वन भूमि पर कब्जा करते जा रहे है। जिससे वन व वन भूमि दोनों समाप्त होते जा रहा है। मामले की शिकायत ग्राम चाकामार निवासी गोविन्द राम द्वारा कलेक्टर से की गई है। शिकायत में उल्लेख है कि जंगल मे पेड़ तो दोबारा भी लगाया जा सकता है, मगर पेड़ लगाने के लिए भूमि ही न हो, तो फिर पेड़ कैसे लगायेगें। इस बात को ध्यान रखते हुए वन अधिकार पट्टा कि जांच कराई जाए। वन अधिकार पट्टा जिसे प्रदान किया गया है, वहीं व्यक्ति उस पर फसल लगा रहा है या नहीं। क्योंकि बहुत से वन अधिकार पट्टा प्राप्त व्यक्ति की भूमि तस्कर के हवाले हो चुका है, इसकी बारिकी से जांच होनी चाहिए। वन संरक्षण व वन भूमि संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वन भूमि पर पक्का बॉउड्री वॉल घेरा किया जाये तो वन भूमि व वन दोनों सुरक्षित किया जा सकता है।

लांबा का भरतपुर दौरा

कोरबा। भाजपा के वरिष्ठ नेता जोगेश लांबा कल भरतपुर व सोनहत विधानसभा क्षेत्र में जाकर चार मंडलों में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा करते हुए और अधिक सदस्य बढ़ाने के निर्देश दिए जाएंगे। जिन विधानसभा क्षेत्रों में और अधिक सदस्य बनाए जा सकते हैं उन क्षेत्रों में भाजपा नेताओं को भेजा जा रहा है। जोगेश लांबा को भरतपुर व सोनहत में जिम्मेदारी दी गई है।

अश्वनी सुल्तानिया का निधन

कोरबा। कोरबा अंचल के समाजसेवी और प्रतिष्ठित व्यवसायी स्टेशन रोड निवासी शंकर बर्तन भंडार और मां सर्वमंगला स्टील एंपोरियम के संचालक अश्वनी सुल्तानिया 75 वर्ष का 4 नवंबर को रात्रि निधन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र भवानी सुल्तानिया, रोहिणी सुल्तानिया, पुत्री बिंदु बर्मीवाल एवं नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा 05 नवंबर 2024 को दोपहर 2 बजे उनके निज निवास स्थान स्टेशन रोड से प्रारंभ हो व मोतीसागर मुक्तिधाम में जाएगी। अत्यंत ही सरल,सहज, हंसमुख स्वभाव के धनी अश्वनी सुल्तानिया के निधन की खबर से परिजनों, शुभचिंतकों, मित्रो सहित नगरजनों में शोक की लहर दौड़ गयी।

तीन मवेशियों को मौत के घाट उतार पचरा पहुंचा हाथियों का दल

लोनर चचिया में

कोरबा। कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में सक्रिय 48 हाथियों का दल अब एतमा नगर वन परिक्षेत्र के पचरा गांव में पहुंच गया है। हाथियों के इस दल ने यहां आने से पहले रास्ते में मातिन गांव में तीन मवेश्यिों को मौत के घाट उतार दिया। बड़ी संख्या में हाथियों के साथ पहुंचने से ग्रामीण दहशत में है वहीं वन अमला हाथियों की निगरानी ड्रोन कैमरे के अलावा प्रत्येक तौर पर करने में जुट गया है।

जानकारी के अनुसार अब तक हाथियों का दल केंदई रेंज के कापा नवापारा व अरसिया क्षेत्र में विचरण कर रहा था। हाथियों का यह दल मातिन होते हुए एतमा नगर वन परिक्षेत्र की सीमा में प्रवेश किया । और जंगल के रास्ते पचरा गांव पहुंच गया हाथियों के दल को आज सुबह ग्रामीणों ने यहां मडराते देखा। एतमा नगर रेंज के पचरा पहुंचने से पूर्व हाथियों ने इन मवेशियों को मातिन गांव में निशाने पर लेते हुए हमला किया और मौत के घाट उतार दिया जिससे मवेशी मालिको को काफी नुकसान हुआ है। इधर कोरबा वन मंडल के बालको रेंज में अचानक पहुंचे लोनर हाथी ने बेला के जंगल में 24 घंटे तक डेरा डालने के बाद कल शाम होते ही आगे का रूख किया और फुटामुड़ा ,गहनिया होते हुए पसर खेत पहुंचा और वहां से आगे बढ़कर कोल्गा मदनपुर छीन्दपोना के रास्ते कुदमुरा रेंज के चचिया परिसर पहुच गया और यहां के जंगल कक्ष क्रमांक 1133 में विश्राम करने लगा लोनर ने चचिया पहुंचने के पूर्व रास्ते में कोलगा, मदनपुर व छीन्दपोना में कई ग्रामीणों के धान की फसल को रौंद दिया है। जिसका आंकलन संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है।

जुआरियों पर सख्त हुई बालको पुलिस, 52 को पकड़ा

कोरबा। बालको पुलिस द्वारा जुआड़ियों पर धरपकड़ आभियान जोरो शोरो से जारी है, पिछले एक माह के भीतर बालको पुलिस ने जुआड़ियो के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए 52 लोगो पर कार्यवाही किया है।

पुलिस अधिक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार बालको थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में लगातार अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही की जा रही है, दीपावली पर परंपरा के नाम पर विभिन्न क्षेत्रो में 52 पत्तियों के साथ हार जीत का दाव लगाते हुए जुआ खेल जारी था, जिसपर बालको पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक माह में 9 प्रकरणों में कुल 52 आरोपियों की गिरफ्तारी की है। जिनके पास से पुलिस द्वारा 45000 रूपए की नगद रकम 52 पत्तियों एवं बोरे के फट्टो को भी जप्त किया है।बालको थाना प्रभारी अभिनवकांत सिंह ने बताया कि क्षेत्र में निरंतर अवैध गातिविधियों के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। गौरतलब की अक्सर दीपावली का पर्व नजदीक आते ही बड़ी मात्रा में जुआ खेलने के मामले सामने आते है जिनपर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाती है।

चुनाव प्रचार में गए कांग्रेसी

कोरबा। युवा कांग्रेस के शहर अध्यक्ष राकेश पंकज, बालेंद्र सिंह व रहमान खान के नेतृत्व में कार्यकर्ता रायपुर में जाकर उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

कोरबा। छत्तीसगढ़ ठेका कामगार यूनियन की दीपका में बैठक हुई, जिसमें एसीबी कंपनी में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया तथा कहा गया कि यदि सात दिवस के भीतर श्रमिकों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो यूनियन के बैनर तले अनिश्चितकालीन हड़ताल किया जाएगा। बैठक में पवन कुमार, टिकेश्वर दास, सुधा राम, विजय कुमार, अशोक कुमार,प्रहलाद सिंह, अभिलेष पटेल, नंद कुमार, काली कंवर प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

संडे ड्यूटी का बजट खत्म

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व केन्द्रीय कर्मशाला में संडे ड्यूटी का बजट खत्म होने से अब कोयला कामगार संडे ड्यूटी से वंचित हो गए हैं। इसके लिए प्रबंधन और यूनियन प्रतिनिधि पुन: मिलकर प्रयास करेंगे। जेसीसी सदस्य दिलीप सिंह, राजेश पांडेय, संतोष टंडन, राजेन्द्र यादव व भागवत साहू का कहना है कि अब तक दो संडे ड्यूटी मिल रहा था, बजट नहीं होने से ड्यूटी से वंचित होना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में कोयला कामगार एक जुट होकर प्रयास करेंगे। केन्द्रीय कर्मशाला गेवरा में भी संडे ड्यूटी बंद न हो इसके लिए यूनियन प्रतिनिधि विकास शुक्ला, मुकूल कर्ष सहित अन्य सदस्यों ने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

फसल कटाई- मिसाई के बाद यहां हो जाता है आधा गांव खाली

कोरबा। जिले के पाली विकासखंड में हरनमुड़ी एक ऐसा गांव है जहां पे अधिकांश ग्रामीण फसलो की कटाई व मिसाई के बाद काम तलाश में दीगर प्रांत चले जाते है। और आधा गांव खाली हो जाता है।

सूचनाओं के अनुसार पाली विकासखण्ड के अंतर्गत आने वाले एवं सीमावर्ती जिला बिलासपुर की सीमा से लगा हुआ गांव हरनमुड़ी की तस्वीर भी कुछ ऐसी ही है जो ऊपर से खूबसूरत लेकिन भीतर से उदास है। इस पंचायत में वैसे अनेकों विकास के कार्य हुए है और बहुत कुछ बदला है। जहां गांव की सड़कें पहले से बहुत बेहतर हैं, सभी जरूरी भवन बने हुए हैं, बिजली रहती है, स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, स्वच्छता इन सब ने गांव का जीवन पहले से आसान कर दिया है। लेकिन जो यहां के निवासियों को सबसे ज्यादा खलता है वो गांव में युवा या वयस्क काम करने वाले लड़कों और पुरुषों का खेती- किसानी कार्य के बाद नजर नहीं आना। ज्यादातर का किसी शहर या महानगर में रोजी-रोटी के लिए चले जाना और उनके पीछे इस गांव में बूढ़ों, बच्चों, औरतों और लड़कियों का रह जाना है। ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना लागू की है और जिस योजना के तहत सौ दिन रोजगार दिलाने की शर्त भी है। जिसके तहत इस पंचायत में वर्तमान 299 जाब कार्डधारी ग्रामीण मजदूर परिवार पंजीकृत है, बावजूद इसके यहां के अधिकतर निवासी धान की कटाई व मिंजाई के बाद बाहर कमाने खाने को पलायन कर जाते है। कारण मनरेगा के तहत पंचायत में तो काम होता है, मगर सप्ताह, पंद्रह या महीना दिन से ज्यादा काम लोगों को मिल नही पाता, तथा इसकी मजदूरी भी समय पर नही मिलती। बड़े किसान तो किसी तरह अपना गुजारा कर लेते है, मगर भूमिहीन मजदूरों के सामने खरीफ फसल के बाद काम का संकट खड़ा हो जाता है। इसी के चलते ज्यादातर ग्रामीण पलायन करने को मजबूर हो जाते है। यहां के निवासियों का कहना है कि शासन द्वारा ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि इस ग्राम के लोगों को काम की तलाश में बाहर जाना न पड़े।

छत्तीसगढ़ की उन्नति हमारा संकल्प : सुरेन्द्र

कोरबा। 1 नवंबर को जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना कोरबा ने दीपका के पुष्प वाटिका में छत्तीसगढ़ राज सिरजन दिवस मनाया। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने सर्वप्रथम दीपका स्थित पुष्प वाटिका परिसर में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति की महाआरती किया।

छत्तीसगढ़ राज सिरजन दिवस में मुख्य अतिथि जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद राठौर ने छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने समारोह में अपनी बात रखी और प्रदेश गठन की 24वी वर्षगांठ की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उपेक्षा के दंश के विरूद्ध उठी सामूहिक आवाज और उसके बाद जो दिशा तय की गई, उससे छत्तीसगढ़ पृथक राज्य बना। राज्य

गठन के इन वर्षों में कई प्रकार की चुनौतियों पर काम किया गया है और कई सफलता अर्जित की गई है। अभी भी हमारे सामने स्थानीय रोजगार और संस्कृति से संबंधित कई प्रकार के विषय हैं जिस पर काम करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है । हम सभी के सामूहिक संपर्क से प्रदेश सभी क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ेगा और हम नए कीर्तिमान को रचेंगे।

छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति महाआरती कार्यकर्म में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिलाध्यक्ष कोरबा जैनेंद्र कुर्रे ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ राज को मध्यप्रदेश से अलग क्यों किया गया। छत्तीसगढ़ राज को किस लिए बनाया गया। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना कोरबा जिला अध्यक्ष सुरजीत सोनी ने सभा में अपनी बात रखी। कार्यक्रम में जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रसाद राठौर, कोरबा जिला अध्यक्ष जैनेंद्र कुर्रे, जिला संगठन मंत्री सुरेश पटेल ,दीपका खंड अध्यक्ष नोभीत साहू, महासचिव महावीर यादव, संगठन मंत्री रोहित कश्यप, खड़ मंत्री नरेंद्र प्रधान, छुरी खड़ अध्यक्ष देव हंस एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना कोरबा जिला अध्यक्ष सुरजीत सोनी, संयोजक नवल साहू समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

एक वृद्ध व्यक्ति की देखभाल (केयरटेकर) हेतु 30 से 35 वर्षीय युवक/युवती की आवश्यकता है।

समय : सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे तक

-:संपर्क करें :-

मो.-9826389894

जय श्रीराम

मकान बेचना है

कोसाबाड़ी में गार्डन के पास 2400 वर्गफीट में डबल स्टोरी मकान बेचना है। जमीन खरीदी/बिक्री हेतु

संपर्क करें

प्रापर्टी डीलर

62681-46606

पर्यावरण संरक्षण के लिए एनटीपीसी व एसईसीएल हुए एकजुट

कोरबा। पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एनटीपीसी और एसईसीएल ने 13 मिलियन मीट्रिक टन राख को बंद खदानों में भरने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस समझौते में दुग्गा खदान के लिए लगभग 117.81 लाख घन मीटर और बिश्रामपुर खदान के लिए 12.02 लाख घन मीटर राख के निपटान की रूपरेखा तैयार की गई है। यह पहल न केवल प्रभावी राख प्रबंधन की सुविधा प्रदान करती है, बल्कि बंद खनन स्थलों के पुनर्स्थापन में भी योगदान करती है, जो हमारे पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ मेल खाती है। एनटीपीसी के तीन स्टेशनों सिपत, लारा और कोरबा ने इस राख की आपूर्ति में सहयोग किया है। विशेष रूप से, एनटीपीसी सिपत

5.4 मिलियन मीट्रिक टन, लारा 2.9 मिलियन मीट्रिक टन, और कोरबा 4.7 मिलियन मीट्रिक टन राख भरने के लिए प्रदान करेगा। एनटीपीसी की ओर से इस एमओयू पर हस्ताक्षर करने वालों में विजय कृष्ण पांडे (परियोजना प्रमुख सिपत), अनिल कुमार (परियोजना प्रमुख लारा), और राजीव खन्ना (परियोजना प्रमुख कोरबा) शामिल थे। एसईसीएल की ओर से इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए बी.के. जेना (महाप्रबंधक पर्यावरण), प्रदीप कुमार (क्षेत्रीय महाप्रबंधक भटगांव) और संजय कुमार (महाप्रबंधक बिश्रामपुर) ने किए। यह सहयोग दोनों संगठनों की स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com